भाद्रपद शुक्ल पक्ष 4-5, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 70 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
15 सितंबर 2026 मंगलवार

आज का मौसम
29.0 अधिकतम
23.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

अराजकता के मलबे पर बंगाल

सत्ता तो बदली... क्या व्यवस्था भी बदलेगी?

ग्राउंड रिपोर्ट

कोलकाता से राजेश सिरोठिया, अजय विश्वास के साथ

बंगाल के नए नवेले मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बीते चार महीनों में ऐसे कई कदम उठाए हैं, जिससे उनकी भावी चुनौतियों से निपटने के इरादों की मंशा झलकती है, लेकिन ये चुनौतियां इतनी हिमालयी हैं कि राह आसान नहीं।

शुरुआत हावड़ा से। गंगा के पश्चिमी किनारे बसा हावड़ा आमतौर पर कोलकाता की जुड़वां बहन माना जाता है। कभी यहां सैकड़ों उद्योग थे। भारी मशीनरी बनाने वाले कारखाने, जूट मिलें और स्पंज आयरन की फैक्ट्रियां। शिफ्ट बदलने की सीटियों के शोर और जीवंत गतिविधियों से यह गुलजार था। बंगाल की सुनहरी नकदी फसल जूट यहां की अर्थव्यवस्था की ऐसी डोर थी, जो हजारों परिवारों की खुशहाली को बांधती थी। धीरे-धीरे यह तस्वीर बदलने लगी। कांग्रेस शासन के खात्मे और वामपंथी शासन का दौर शुरू होते ही लाल झंडे, इंकलाब के नारे और राजनीति में हडताल की संस्कृति ने धीरे-धीरे पूरे औद्योगिक क्षेत्र को अपनी गिरफ्त में ले लिया। एक के बाद एक उद्योग बंद होते गए और हावड़ा धीरे-धीरे औद्योगिक अंधेरे की ओर बढ़ने लगा।

इसी दौर में बंद और वीरान पड़ी फैक्ट्रियों की जमीनों पर भू-माफिया की नजर पड़ी। आरोप है कि सत्ताधारी दल के नेताओं और जमीन के कारोबार से जुड़े लोगों के नापाक गठजोड़ ने इन जमीनों को कब्जाने और उनका व्यापारिक उपयोग करने का रास्ता आसान किया। जहां कभी कारखाने और श्रमिकों की जिंदगी थी, वहां बहुमंजिला इमारतें और मॉल खड़े होने लगे। लेकिन शहर के विकास के लिए जरूरी बुनियादी नियमों और समुचित टाउन प्लानिंग की अनदेखी होती रही।

नतीजा यह हुआ कि हावड़ा धीरे-धीरे एक ऐसे शहर में बदलता गया, जिसके पास विकास तो था, लेकिन नियोजन नहीं। संकरी सड़कें, पुख्ता ड्रेनेज का अभाव और वाहनों का दबाव लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को मुश्किल बनाता गया। वामपंथी मंत्रियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर जमीन तथा निर्माण से जुड़े हितों को लेकर आरोप लगने लगे। प्रशासन के बंधे हाथ समस्या का समाधान नहीं खोज सके। बुद्धदेव भट्टाचार्य ने यह कहकर ज्योति बसु काबीना से इस्तीफ़ा दे दिया कि वह चोरों की जमात वाली कैबिनेट में नहीं रह सकते। बाद में सुलह होने पर वह वापस काबिना में लौटे। नवम्बर 2000 में जब ज्योति वसु ने मुख्यमंत्री पद छोड़ा तो बुद्धदेव भट्टाचार्य को बंगाल की कमान सौंपी गई। लेकिन 11 साल के दौरान बुद्धदेव के शासनकाल में भी हालात में कोई खास सुधार नहीं आया। उल्टे ममता बनर्जी के सिंगुर और नन्दीग्राम आन्दोलन ने उद्योगों की रफ्तार रोक दी।

फिर 15 साल ममता का दौर चला जिसके दौरान हालात और बिगड़े। इन तमाम सवालों के बीच एक नाम लगातार चर्चा में है। शुभेंदु अधिकारी, नए मुख्यमंत्री। लेकिन उनके सामने चुनौती उस बंगाल को बदलने की है, जिसकी औद्योगिक पहचान पिछले कई दशकों में कमजोर हुई। शहर अनियोजित विस्तार के शिकार हुए और जहां बंद कारखानों की जमीनें राजनीति, रियल एस्टेट और शहरी विकास के जटिल रिश्तों का हिस्सा बन गईं। हावड़ा इस बदलाव की सबसे बड़ी तस्वीरों में से एक है। सवाल सिर्फ हावड़ा का नहीं है। कोलकाता, बिधाननगर, जादवपुर और पूरा महानगर एक नए राजनीतिक विमर्श के केंद्र में है।

– जारी...

अभिषेक बनर्जी का आलीशान कोठीनुमा आशियाना 'शांति निकेतन' जहां पुलिस चौकी अभी भी है लेकिन सुरक्षा का जिम्मा उनके अपने बाउंसर संभालते हैं।

ममता के पतन का असली सबब बने अभिषेक

ममता बनर्जी के कार्यकाल की शुरुआती दो पारियों में कोलकाता में विकास तो हुआ। लेकिन तुष्टिकरण और वोट बैंक की सियासत ने उनकी जमीन कमजोर करना शुरू कर दिया। फिर ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी की साइलेंट एंट्री के साथ हालात और बिगड़ने लगे। लोकसभा जीतने के बाद तो अभिषेक ने जो कारनामें किए उनसे आम लोगों में ही नहीं टीएमसी के भीतर भी आक्रोश की चिंगारी भड़कने लगी। चार मई के विधानसभा चुनावों के बाद यह ज्वालामुखी बनकर फट पढ़ी। अभिषेक पर ईडी से लेकर सीबीआई तक ने जिन घोटालों को लेकर शिकंजा कसा है, उसमे भवानीपुर विधानसभा के हरीश चंद्र मुखर्जी मार्ग पर बहुमंजिली इमारत शांति निकेतन भी है जो अभिषेक बनर्जी का आशियाना है। कुछ महीनों पहले तक यह समूचे बंगाल में अशांति का सबब था। आरोप है कि अभिषेक बनर्जी पर अपनी बुआ के संरक्षण में जिन 35 संपत्तियों पर जबरिया कब्जे के आरोप हैं, उनमें शांति निकेतन भी शुमार है। अभिषेक के लिए वो सुरक्षा इंतजाम थे जो देश में शायद ही किसी सांसद के लिए हों। पुलिस के जो दो सुरक्षा पोस्ट थे, वे अब भी क़ायम हैं। चौबीसों घंटे इसकी सुरक्षा के लिए जो दो सौ पुलिसकर्मी का अमला तैनात था, उसे शुभेंदु अधिकारी ने हटवा दिया है। मुखर्जी मार्ग पर बैरिकेटिंग वाली नाकेबंदी भी नहीं बची। अब वहां अभिषेक बनर्जी के बाउंसर तैनात हैं। हमारे वीडियो जर्नलिस्ट आदित्य चौरसिया ने इसकी वीडियोग्राफी की। फोटो भी लिए। लेकिन कोई प्रतिरोध नहीं हुआ। बाउंसरों को भी अंदाजा था कि अब निजाम बदल चुका है।

न्यूज विंडो

महिला से 200 करोड़ की रंगदारी मांगी, बराड़ के नाम से आया फोन

नई दिल्ली। दिल्ली की एक महिला से फोन कर 200 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई है। फोन करने वाले ने खुद को विदेश में रह रहा पंजाब का गैंगस्टर गोल्डी बराड़ बताया है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, राजधानी में अब तक सामने आई रंगदारी की यह सबसे बड़ी रकम है। शुरुआती जांच के बाद नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट के सिविल लाइंस थाने में मामला दर्ज किया गया है। जिला पुलिस के साथ स्पेशल सेल भी जांच में शामिल हो गई है।

राजौरी में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े तीन आतंकी मददगार अरेस्ट

जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जम्मू-कश्मीर के राजौरी में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े ओवरग्राउंड वर्कर नेटवर्क का खुलासा किया। इस मामले में सोमवार देर रात आतंकियों के तीन मददगारों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजौरी के कोटचरवाल तेरीयाथ निवासी जाकिर हुसैन और मोहम्मद आजम और उधन गांव निवासी मोहम्मद मुश्ताक के रूप में हुई है।जांच के दौरान एक आरोपी की निशानदेही पर आईईडी भी बरामद किया गया है।

यूपी में बड़ा हादसा: पेड़ से टकराकर पलटी तेज रफ्तार कार, 3 की मौत

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि छह घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, आजमगढ़ के फूलपुर कोतवाली इलाके के जगदीशपुर गांव के पास आज एक तेज रफ्तार स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराने के बाद पलट गई। इस भीषण हादसे में कार में सवार तीन युवकों की मौके पर और उपचार के दौरान मौत हो गई।

कनाडा से डिपोर्ट हुआ लॉरेंस बिश्नोई गैंग का करीबी कर्मवीर देओ

नई दिल्ली। कनाडा से भारत डिपोर्ट किए गए गैंगस्टर कर्मवीर देओ को पंजाब पुलिस ने दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया है। कर्मवीर को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का बेहद करीबी बताया जाता है। आरोप है कि वह विदेश में रहकर गैंग के सदस्यों की मदद करता था। पंजाब पुलिस ने उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया हुआ था। कनाडा से भारत पहुंचते ही पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया।

आज का कार्टून

मौसम का कहर... 7 हजार लोगों को सुरक्षित गौरीकुंड भेजा गया

पहाड़ों पर संकट, तीसरे दिन भी रुकी रही केदारनाथ यात्रा, 500 यात्री फंसे

देहरादून / नई दिल्ली, एजेंसी

केदारनाथ पैदल मार्ग पर चीरबासा के पास पहाड़ी से लगातार पत्थर गिरने के कारण यात्रा तीसरे दिन भी बंद है। करीब 7 हजार यात्रियों को सुरक्षित निकालकर गौरीकुंड भेजा गया, जबकि 500 से ज्यादा यात्री अभी रास्ते में फंसे हैं। मौसम विभाग ने उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में गरज-चमक, आकाशीय बिजली और तेज से अति तेज बारिश की संभावना जताई है। इसलिए पैदल मार्ग पर आवाजाही रोक दी गई है। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन फिलहाल मौसम और रास्ते की स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

सुरक्षा बल राहत एवं बचाव अभियान चलाकर यात्रियों को सुरक्षित निकालकर गौरीकुंड की ओर भेजने का अभियान चला रहा है। आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, जो यात्री अभी रास्ते में रुके हुए हैं, उन्हें मौसम साफ होने और मार्ग सुरक्षित होने के बाद गौरीकुंड की ओर भेजा जाएगा। राज्य के लोक निर्माण विभाग की टीम पैदल मार्ग को दुरुस्त करने में जुटी हुई है। प्रशासन की प्राथमिकता यात्रियों को सुरक्षित निकालना और मार्ग को दोबारा आवाजाही के योग्य बनाना है।

पर्वतीय इलाकों में गरज-चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने और तेज से अति तेज बारिश के दौर की आशंका के कारण अभी भी पहाड़ी मार्गों पर भूस्खलन और पत्थर गिरने का खतरा बना हुआ है। प्रशासन यात्रियों से मौसम और यात्रा मार्ग की स्थिति को ध्यान में रखकर ही आगे बढ़ने की अपील कर रहा है। सोमवार को नैनीताल में हुई मूसलाधार बारिश के बाद कई सड़कें जलमग्न हो गईं। जगह-जगह पानी भरने के कारण सड़कें तालाब जैसी नजर आईं। भारी बारिश ने स्थानीय जनजीवन को भी प्रभावित किया।

एमपी में आज से सिस्टम कमजोर

इधर पूरे मध्यप्रदेश में सक्रिय हुआ मानसून का सिस्टम अब कमजोर पद रहा है। मौसम विशेषज्ञ शैलेंद्र कुमार नायक ने बताया कि मंगलवार से प्रदेश में बारिश की तीव्रता और प्रसार में धीरे-धीरे कमी आने का पूर्वानुमान है। भोपाल, ग्वालियर सहित 18 जिलों में बारिश का कोटा पूरा हो गया है। वर्तमान में राजस्थान-गुजरात सीमा पर कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसके साथ ही मुख्य मानसून ट्रफ राजगढ़ व दमोह से और अरब सागर से झारखंड तक फैली दूसरी ट्रफ लाइन भी प्रदेश के ऊपर से गुजर रही है। इन सक्रिय वेदर सिस्टम के चलते अगले 48 से 72 घंटों के दौरान भोपाल, सीहोर, राजगढ़, उज्जैन और चंबल-ग्वालियर संभाग सहित राज्य के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा और गरज-चमक की स्थिति बनी रहने का अनुमान है।

नैनीताल के पाटकोट में उफनते नाले में कार बहने लगी। ड्राइवर ने मुस्तैदी से सुरक्षित निकाली।

दीवार गिरने से बच्ची की मौत

रतलाम के नामली थाना क्षेत्र के रुघनाथगढ़ गांव में कच्चे मकान की दीवार गिरने से दो बच्चियां मलबे में दब गईं। हादसे में 9 साल की बच्ची यंशिका चौहान की मौत हो गई। हादसे के वक्त तेज बारिश हो रही थी। दीवार गिरने से पास के एक अन्य मकान का छज्जा और ऊपरी हिस्सा भी गिर गया। इसमें 65 वर्षीय महिला मांगूबाई दब गईं।

रहवासी इलाकों में कारोबार...सुप्रीम कोर्ट में आज की सुनवाई टली

भोपाल, दोपहर मेट्रो। भोपाल के रहवासी इलाकों में कारोबार के मामले में आज सुप्रीम कोर्ट में तय सुनवाई टल गई है। जस्टिस के अवकाश पर होने के कारण अब सुनवाई बाद में होगी। हालांकि अभी तारीख तय नहीं है।

भोपाल के रहवासी इलाकों में 62 हजार 500 प्रतिष्ठान हैं, जिनको लेकर आज फैसला आने की उम्मीद थी। नगर निगम भी अब तक की एक्शन टेकन रिपोर्ट पेश कर चुका है। वहीं, रहवासी सीलिंग की कार्रवाई को झूठी बताते हुए रिकॉर्ड पेश करेंगे। बता दें कि 5 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद नगर निगम ने पूरे शहर में ऐसे प्रतिष्ठानों को नोटिस दिए थे, जो आवासीय क्षेत्र में चल रहे थे।

बीजेपी का बड़ा दांव: शुभेंदु के पूर्व पीए की मां को मैदान में उतारा

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने वाले हैं। इसमें रेजीनगर और नंदीग्राम शामिल हैं। भाजपा ने रेजिनगर से शाखारव सरकार और नंदीग्राम से हासिरानी रथ को उम्मीदवार बनाया है। हासिरानी रथ शुभेंदु अधिकारी के पीए रहे चंद्रनाथ रथ की मां हैं। बता दें कि चंद्रनाथ रथ की मई में हत्या कर दी गई थी। ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल कांग्रेस के बागी गुट ने अपने उम्मीदवार का एलान किया। टीएमसी ने नंदीग्राम सीट से मोहम्मद एतेशामुल हक को उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि मुर्शिदाबाद की रेजीनगर सीट से सफीउद्दीन शेख चुनाव लड़ेंगे।

भारतीय एजेंसियों को रिपोर्ट करेगा, सरकार से बातचीत के बाद रजामंदी

बच्चों से जुड़े यौन शोषण मामलों की जानकारी देगा मेटा

नई दिल्ली, एजेंसी। टेक कंपनी मेटा ने बच्चों के यौन शोषण और उनकी सुरक्षा से जुड़े दूसरे मामलों की जानकारी देने पर सहमति जताई है। यह जानकारी संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों को दी जाएगी। सरकारी सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

यह सहमति केंद्र सरकार और मेटा की ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर हानिकारक कंटेंट पर रोक लगाने को लेकर जारी बातचीत में बनी है। सरकारी सूत्रों ने कहा कि भारत में काम करने वाले किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा जरूरी है। इस मामले में कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

सरकार ने यह भी साफ किया है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए खुद से जरूरी कदम नहीं उठाने वाले प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक मेटा का यह फैसला बच्चों को ऑनलाइन सुरक्षित रखने की दिशा में शुरुआती कदम है।

लोक निर्माण पुरस्कार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित 'राज्य स्तरीय अभियंता दिवस समारोह में शामिल हुए। लोक निर्माण विभाग के इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कार्य करने वाले अभियंताओं, अधिकारियों, संयुक्त दलों तथा निर्माण एजेंसियों को 'लोक निर्माण पुरस्कार' से सम्मानित किया। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर | प्राकृतिक आपदा से पड़ोसी देश की घरेलू बिजली उत्पादन क्षमता ठप, मचा है हाहाकार

संकट में नेपाल को भारत का सहारा... रोज 18 घंटे मिलेगी बिजली

नई दिल्ली, एजेंसी

विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन से जूझ रहे पड़ोसी मुल्क नेपाल की मदद के लिए भारत ने एक बार फिर हाथ बढ़ाया है। नेपाल में बाढ़ से जलविद्युत ढांचे को भारी नुकसान पहुंचने के बाद भारत ने उसे रोजाना 18 घंटे तक 654 मेगावाट तक बिजली उपलब्ध कराने की मंजूरी दी है। यह बिजली आपूर्ति 31 दिसंबर 2026 तक जारी रहेगी। भारत का यह कदम ऐसे समय आया है, जब प्राकृतिक आपदा के कारण नेपाल की घरेलू बिजली उत्पादन क्षमता बुरी तरह प्रभावित हुई है और वहां हाहाकार मचा हुआ है।

केंद्रीय विद्युत मंत्रालय के अनुसार नेपाल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी को रोजाना आधी रात से शाम 6 बजे तक बिजली दी जाएगी। कुल स्वीकृत क्षमता में से 600 मेगावाट बिजली मुजफ्फरपुर-ढलकेबर 400 केवी डबल सर्किट ट्रांसमिशन लाइन के जरिए और 54 मेगावाट तनकपुर-महेंद्रनगर 132 केवी सिंगल सर्किट लाइन से भेजी जा सकेगी। मंत्रालय ने कहा है कि इस मंजूरी से नेपाल को मुश्किल दौर में बिजली की जरूरत पूरी करने में मदद मिलेगी और भारत-नेपाल के लंबे समय से चले आ रहे ऊर्जा सहयोग को और मजबूती मिलेगी।

नेपाल में 26 अगस्त को नेपाल-तिब्बत सीमा के पास आई भीषण बाढ़ और मलबे की आपदा ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई। रिपोर्टों के मुताबिक 12 से ज्यादा जलविद्युत संयंत्र बह गए या बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं। नेपाल की बिजली व्यवस्था मुख्य रूप से जलविद्युत पर निर्भर है, इसलिए इन परियोजनाओं को हुए नुकसान का सीधा असर बिजली उत्पादन और आपूर्ति पर पड़ा है। आपदा के बाद नेपाल ने बिजली का निर्यात रोककर अपनी घरेलू जरूरतों के लिए भारत से बिजली खरीदने की जरूरत जताई थी। नेपाल के करीब 900 बिजली संयंत्र कर्मचारियों के लापता होने की खबर भी सामने आई है। ऐसे हालात में बिजली की अतिरिक्त उपलब्धता नेपाल के लिए केवल आर्थिक जरूरत नहीं, बल्कि राहत, संचार और जरूरी सेवाओं को चालू रखने के लिहाज से भी अहम है।

राहत सामग्री भी पहुंचा रहा भारत

बिजली के अलावा भारत ने नेपाल में राहत और बचाव अभियान में भी सहयोग बढ़ाया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार 26 अगस्त से आठ विशेष उड़ानों के जरिए राहत सामग्री, विशेषज्ञ उपकरण और विशेषज्ञ कर्मियों को नेपाल भेजा गया है। 130 टन से अधिक राहत सामग्री नेपाल पहुंचाई जा चुकी है। बिजली सहायता का यह फैसला उस समय लिया गया है, जब भारत में भी बिजली की मांग ऊंची बनी हुई है। सितंबर में भारत की पीक बिजली मांग 269 गीगावाट तक पहुंच चुकी थी। इसके बावजूद नेपाल की आपदा के समय बिजली उपलब्ध कराने का निर्णय दोनों देशों के बीच ऊर्जा सहयोग के साथ पड़ोसी देश के प्रति भारत की जिम्मेदारी को भी रेखांकित करता है। भारत का यह कदम केवल बिजली निर्यात का फैसला नहीं है। यह संकट के समय पड़ोसी के साथ खड़े होने का संदेश भी माना जा रहा है।

सड़क खराब..यह सराफा बाजार का त्योहारी रंग करेगा फीका..

भोपाल। पुराने शहर के प्रमुख सराफा बाजार की बदहाल सड़कें व्यापारियों और ग्राहकों के लिए परेशानी का सबब बन गई हैं। बारिश के बाद बाजार की सड़कों पर जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं। इनमें पानी भरने से राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों को आवाजाही में दिक्कत हो रही है। कई स्थानों पर कीचड़ के कारण हालात और खराब हो गए हैं। सराफा बाजार में रोजाना बड़ी संख्या में ग्राहक खरीदारी के लिए पहुंचते हैं। त्योहारों का सीजन शुरू होने के साथ बाजार में भीड़ बढ़ने की उम्मीद है, लेकिन खराब सड़कों के कारण व्यापारियों को अभी से चिंता सताने लगी है। गड्ढों से बचकर निकलने के दौरान वाहनों की रफ्तार धीमी होने से कई बार यातायात भी प्रभावित होता है। सर्राफा व्यापारी मनोज कुमार सोनी ने बताया कि सड़क की स्थिति लंबे समय से खराब है। बारिश में गड्ढों में पानी भर जाने से समस्या गंभीर हो जाती है। यही स्थिति रही तो त्योहार में बाजार खराब होगा।

व्यापारी बोले- सड़क दुरुस्त नहीं की तो कारोबार पर पड़ेगा असर

सड़कों की ऐसी हालत हो गई है कि ऊपरी परत ही खराब हो गई है। दुकानों के सामने इन गड्ढों में पानी जमा है। व्यापारियों का कहना है कि नगर निगम से कई बार इस समस्या को लेकर शिकातय की गई है। हर बार गड्ढे भरने और सड़क ठीक करने का भरोसा दिया गया, लेकिन अब तक कोई भी जिम्मेदार इस ओर झांकने तक की जहमत नहीं उठा रहा है। त्योहार शुरू हो गए हैं और निगम इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। इतना ही नहीं, चैंबर के ढक्कन तक उखड़ चुके हैं। इससे बड़े हादसे की आशंका बन गई है। व्यापारियों का कहना है कि सड़क की ऐसी बदहाल स्थिति उनके कारोबार पर विपरीत असर डालेगी। इससे ग्राहकों को आने में परेशानी होगी। वे दुकानों की ओर आने से तौबा कर लेंगे। व्यापारियों का पूरा कारोबार ही त्योहार में फीका पड़ जाएगा। व्यापारियो ने तत्काल अफसरों से निरीक्षण कर व्यवस्था बनाने की मांग की है।

न्यूज विंडो

पूरा परिवार अस्पताल में, चोरों ने घर में लगा दी सेंध, केस दर्ज

भोपाल। छोला मंदिर खेजड़ा भानपुर निवासी कमल मालवी के घर चोरों ने सेंध लगा दी। कमल की मां लक्ष्मी की तबीयत खराब थी। उसे पुष्पा नगर स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। घर बंद था। सभी अस्पताल में थे। सुबह 6 बजे पड़ोसी ने घर का ताला टूटे होने की सूचना दी। चोरों ने अलमारी तोड़कर चांदी की पायल, मंगलसूत्र, कान के बाले, अंगूठियां, सोने की चेन, बच्चों के जेवर और पांच हजार रुपए उड़ा लिए। पुलिस ने केस दर्ज किया है।

नाबालिग ने चुराया ऑटो, बेचने की फिराक में पकड़ा गया

भोपाल। हनुमानगंज थाना पुलिस ने काजी कैंप क्षेत्र से चोरी हुआ करीब 4 लाख रुपए कीमत का सवारी ऑटो बरामद कर लिया है। मामले में पुलिस ने एक 17 साल के नाबालिग को पकड़ा है। उसने चोरी कबूल ली है। काजी कैंप के इरशाद पिता अय्यूब खान ने 8 सितंबर को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। कहा था, 6 सितंबर को उनका ऑटो जनता मेडिकल स्टोर के पास से चोरी चला गया। पुलिस जांच कर रही थी। इसी बीच पुलिस को पता चला, पुट्टा मिल के पास एक लड़का चोरी का ऑटो बेचने की कोशिश में घूम रहा है। पुलिस ने उसे दबोच लिया।

अन्ना नगर हत्याकांड: 6 आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

भोपाल। गोविंदपुरा के अन्ना नगर में मामूली विवाद में हुई रितिक की हत्या के मामले में पुलिस ने 12 घंटे के अंदर ही कार्रवाई कर 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें चार वयस्क और दो बच्चे हैं। सभी को जेल भेजा गया है। 11 सितंबर की रात मंदिर के पास विशाल और सूरज में विवाद हो गया था। रोहित गौड़ ने बीच-बचाव कर सूरज को वहां से जाने के लिए कहा। कुछ देर बाद सूरज साथियों के साथ रोहित के घर पहुंचा और मारपीट की। शोर सुनकर रोहित के पिता अवधेश और भाई रितिक बाहर आए तो आरोपियों ने उनसे भी मारपीट की। इसी दौरान विवेक, सागर और अन्य आरोपी रॉड-डंडे लेकर पहुंचे और हमला कर दिया। सीने में ईंट लगने से रितिक गंभीर घायल हो गया था। अस्पताल में उसकी मौत हो गई थी।

रेलवे के इंजीनियर से गले से सोने की चेन और लॉकेट ले भागे बदमाश

भोपाल। छोला मंदिर इलाके में बदमाशों ने भानपुर ब्रिज के नीचे ट्रैफिक में फंसे रेलवे के सेक्शन इंजीनियर अरुण सिंह के गले से सोने की चेन और लॉकेट झपट लिया। पुलिस ने बताया, अरुण इटारसी में रहते हैं। 13 सितंबर को दोस्त जागृति और अरुतेन्द्र सिंह के साथ स्कूटर से प्लॉट देखने आए थे। शाम में भानपुर ब्रिज के नीचे ट्रैफिक अधिक था तो रोक-रोक कर स्कूटर चलाना पड़ रहा था। इसी बीच बदमाशों ने वारदात की।

शाहजहानाबाद में पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने घेरा, पुल पर छोड़ भागे बदमाश

रेप के मामले में समझौते से इनकार किया तो पीड़ित के पति का अपहरण

भोपाल। दोपहर मेट्रो

रेप के मामले में समझौते से इनकार करने पर बदमाशों ने पीड़िता के पति को घर के बाहर से कार में अगवा कर लिया। आरोप है कि शाहजहानाबाद क्षेत्र का बदमाश भूरा हड्डी अपनी महिला मित्र अलीना और दो साथियों के साथ उसे जबरन कार में बैठाकर ले गया।

पुलिस का कहना है कि रास्ते में उसके साथ मारपीट करते हुए रेप केस में समझौता करने का दबाव बनाया गया। पति को बचाने के लिए उसकी पत्नी ने पुलिस को सूचना दी। संयोग से रास्ते में उसे थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ मिल गए। सूचना मिलते ही पुलिस ने वायरलेस पर संदेश प्रसारित कर घेराबंदी शुरू कर दी। पुलिस की सक्रियता का पता चलते ही आरोपी पीड़ित को काली मंदिर से पहले पुल पर छोड़कर भाग गए। पुलिस ने महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। भूरा हड्डी समेत अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। तलाश के लिए अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं। पुलिस ने घेराबंदी की। आरोपियों को पुलिस के हरकत में आने की खबर मिली तो उनके हाथ-पांव फूल गए। भरा हड्डी ने पीड़ित को काली मंदिर से पहले पुल पर ही छोड़ दिया। पुलिस भूरा हड्डी, शुभम, अयान की तलाश कर रही है। भूरा हड्डी पर पहले से ही हत्या के प्रयास के तीन मामले दर्ज हैं।

कार में रास्ते भर की मारपीट

जहांगीराबाद पुलिस ने बताया कि अशोका गार्डन थाना क्षेत्र का गुंडा सूचीबद्ध बदमाश परिवार के साथ जहांगीराबाद में किराए के मकान में रहता है। उसकी पत्नी ने राजा शाहिद नामक व्यक्ति के खिलाफ रेप का केस दर्ज कराया था। मामला कोर्ट में है। पुलिस के अनुसार आरोपी पक्ष पीड़िता व उसके पति पर लगातार समझौते का दबाव बना रहा था, लेकिन वे तैयार नहीं थे। रविवार रात पीड़िता का पति खाना लेने घर से निकला था। तभी कार से पहुंचे भूरा हड्डी, अलीना, शुभम और अयान ने रोक लिया। आरोपियों ने मारपीट कर उसे कार में बैठा लिया। चलती कार में भी पीटा और समझौते का दबाव बनाते रहे।

तिराहे पर थाना प्रभारी से मिली मदद

पति को कार में ले जाते देख उसकी पत्नी मदद के लिए जहांगीराबाद थाने की ओर दौड़ी। एक्सट्रॉल कॉलेज तिराहे के पास उसे टीआई राजन सिंह अहिरवार बल के साथ क्षेत्र में भ्रमण करते मिल गए। महिला ने पूरी घटना बताई। टीआई ने वायरलेस पर सूचना देकर संभावित रास्तों पर घेराबंदी के निर्देश दिए। इसके बाद भूरा हड्डी और उसके साथी पीड़ित को काली मंदिर से पहले पुल पर छोड़कर फरार हो गए। मुक्त होने के बाद पीड़ित थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अपहरण-मारपीट का केस दर्ज कर अलीना को गिरफ्तार किया।

पूर्व डीजीपी के बंगले में सेंध, एनआरआई बेटी के जेवर उड़ा ले गए चोर

भोपाल. अरेरा कॉलोनी में पूर्व डीजीपी एमएल जैन के बंगले से उनकी बेटी के 7 लाख रुपए कीमत के जेवर चोरी हो गए। बेटी अनिता जैन अमेरिका में रहती हैं और हाल ही में अपने पिता से मिलने भोपाल आई थीं।

पुलिस के अनुसार, अनिता के पर्स में सोने-चांदी के जेवर रखे थे। इनमें सोने की चूड़ियां, कंगन, अंगूठी और अन्य जेवर शामिल थे। रविवार को घर में बिजली संबंधी काम के लिए एक इलेक्ट्रिशियन को बुलाया गया था। वह काम पूरा करने के बाद बंगले से चला गया। कुछ देर बाद परिवार ने देखा कि जेवर रखा पर्स गायब है। तलाश करने के बाद भी पर्स नहीं मिला। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संदेह होने पर हिरासत में लिया ...

थाना प्रभारी संजीव चौकसे ने बताया कि इलेक्ट्रिशियन पर संदेह है। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वह जेवर चोरी में शामिल था या नहीं। साथ ही चोरी हुए जेवर और पर्स की तलाश की जा रही है। चोरी में शामिल आरोपी के बारे में फिलहाल स्थिति साफ नहीं है। जांच की जा रही है। इसके बाद ही स्थिति साफ होगी।

फर्जी पासपोर्ट कांड में नया खुलासा

सरगना रियाल चौधरी ने पुराना पासपोर्ट गुम होने बात कही, 4 बार बनवाए नए पासपोर्ट

भोपाल। दोपहर मेट्रो

फर्जी पासपोर्ट नेटवर्क के तार विदेश यात्राओं तक जुड़ते जा रहे हैं। एसटीएफ की जांच में अब तक करीब 70 संदिग्ध पासपोर्ट सामने आए हैं। इनमें से कुछ पासपोर्ट धारकों की ट्रैवल हिस्ट्री थाईलैंड, मलेशिया, कंबोडिया और इंडोनेशिया तक मिली है। चौंकाने वाली कड़ी डबरा के एक ही पते से बने 17 संदिग्ध पासपोर्ट हैं। इन सभी पासपोर्ट के आवेदन में एक ही मोबाइल नंबर इस्तेमाल किया गया। एसटीएफ को आशंका है कि पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया में किसी एक व्यक्ति या एजेंट की भूमिका हो सकती है। ये पासपोर्ट असली हैं या नकली? इसके दस्तावेज तैयार कराने से लेकर पुलिस वेरिफिकेशन तक की भूमिका की जांच की जा रही है। इस बीच यह साफ हो चुका है कि आधार कार्ड, पैन कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र के आधार पर ही ये फर्जी पासपोर्ट बनवाए गए हैं। इसका सरगना रियाल चौधरी है। रियाल ने पासपोट गुम होने का आधार बताते हुए अलग-अलग समय में चार बार पासपोर्ट बनवाए।

4 देशों तक पहुंची ट्रैवल हिस्ट्री

नेटवर्क से जुड़े विप्लव अधिकारी के पासपोर्ट की ट्रैवल हिस्ट्री ने जांच का दायरा विदेश तक बढ़ा दिया है। उसके पासपोर्ट से कंबोडिया, इंडोनेशिया, थाईलैंड और मलेशिया की यात्राओं की जानकारी सामने आई है। अब एसटीएफ संदिग्ध पासपोर्ट धारकों के इमिग्रेशन रिकॉर्ड से इन दस्तावेजों का मिलान कर रही है। पता लगाया जा रहा है कि फर्जी भारतीय पहचान के आधार पर कितने लोग विदेश पहुंचे।

बिजली कंपनी की करतूत से परेशान उपभोक्ता पहुंचे विद्युत लोकपाल तो मिली राहत

कनेक्शन लगने से 20 दिन पहले की टैम्परिंग बताकर 2.07 लाख रुपए की रिकवरी थमाई

भोपाल। दोपहर मेट्रो

जिस मीटर में टैम्परिंग (गड़बड़ी) बताकर बिजली कंपनी ने 2.07 लाख रुपए की रिकवरी थमाई, वह मीटर कथित टैम्परिंग की तारीख के 20 दिन बाद लगाया गया था। एक मामले में यह विरोधाभास लोकपाल के सामने आया। विद्युत लोकपाल ने बिजली कंपनी की रिकवरी निरस्त कर जमा राशि 6 फीसदी ब्याज सहित लौटाने और 2,000 रुपए अपील खर्च देने के आदेश दिए हैं।

दरअसल, मामला छतरपुर के बायपास रोड स्थित मिस्टी फूड्स का है। संस्थान के संचालक शुभम अग्रवाल ने 6 नवंबर 2023 को औद्योगिक बिजली कनेक्शन लिया था। इसके करीब एक वर्ष बाद 25 अक्टूबर 2024 को पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की विजिलेंस टीम ने परिसर का निरीक्षण किया। विद्युत लोकपाल ने जांच की तो सब फर्जी मिला।

ऐसे पकड़ाया बिजली कंपनी का फर्जीवाड़ा

जांच रिपोर्ट के आधार पर कंपनी ने मीटर में पीटी मिसिंग और टैम्परिंग के कारण वोल्टेज कम दर्ज होने का दावा किया। कंपनी ने कथित गड़बड़ी की शुरुआत 17 अक्टूबर 2023 से दर्शाई, जबकि इस तारीख को संस्थान में बिजली कनेक्शन और मीटर लगाया ही नहीं गया था। कंपनी ने 17 अक्टूबर 2023 से 9 अक्टूबर 2024 के बीच के लिए आकलित खपत के आधार पर 27,325 यूनिट की कमी बताते हुए 2,07,397 रुपए का रिकवरी का डिमांड नोटिस जारी किया। विद्युत लोकपाल एमएस तोमर ने कंपनी के रिकॉर्ड का परीक्षण किया। इसमें पाया कि जिस तारीख से मीटर में टैम्परिंग और पीटी मिसिंग की शुरुआत बताई गई, उस समय परिसर में बिजली कनेक्शन मौजूद नहीं था। बिजली कंपनी का डिमांड नोटिस निरस्त कर दिया।

खावड़ा-नागपुर बाइपोल प्रोजेक्ट में होगा इस्तेमाल

बड़ी सफलता...भेल ने समय पर बनाया हाई पावर ट्रांसफार्मर

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) ने दूसरा 295.1 एमवीए, 400 केवी कनवर्टर ट्रांसफार्मर बनाया है। इसकी न सिर्फ जांच सफल रही, बल्कि इसे डिस्पैच भी कर दिया। इसे भेल की बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया की प्रतिष्ठित 6000 मेगावाट, 800 केवीएचवीडीसी खावड़ा-नागपुर बाइपोल परियोजना के लिए भेल द्वारा बनाए जा रहे 26 कनवर्टर ट्रांसफार्मर में से यह दूसरी यूनिट है। इसका सफल डिस्पैच खावड़ा-नागपुर एचवीडीसी प्रोजेक्ट की समय पर डिलीवरी की प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

कुशल इंजीनियरिंग

इस ट्रांसफार्मर का निर्माण भेल भोपाल के कुशल इंजीनियरों की टीम ने किया। इस अवसर पर पावरग्रिड के जीएम सुबोध राउत, भेल जीएम (क्वालिटी) जी.पी. बघेल, जीएम (टीसीबी इंजीनियरिंग, सर्विसेज एंड एमएम) एस.के. महाजन भी मौजूद थे।

दशहर-दिवाली, छठ तक की बंदोबस्ती

भोपाल के रास्ते गुजरेगी जोधपुर-चेन्नई पूजा स्पेशल, लगाएगी 9 फेरे

भोपाल। दशहरा, दिवाली और छठ पूजा के दौरान ट्रेनों में बढ़ने वाली भीड़ देखते हुए रेलवे भोपाल होकर जोधपुर-चेन्नई बीच साप्ताहिक पूजा स्पेशल ट्रेन चलाएगा। गाड़ी संख्या 04815/04816 दोनों दिशाओं में 9-9 ट्रिप लगाएगी। भोपाल मंडल में इसका ठहराव गुना, बीना, भोपाल और इटारसी में रहेगा।

जोधपुर से ट्रेन 3 अक्टूबर से 28 नवंबर तक हर शनिवार रात 9:20 बजे चलेगी। यह रविवार दोपहर 3 बजे भोपाल और शाम 5:10 बजे इटारसी पहुंचेगी। सोमवार रात 8 बजे चेन्नई बीच पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन 6 अक्टूबर से 1 दिसंबर तक हर मंगलवार शाम 5:15 बजे चेन्नई बीच से चलेगी। बुधवार रात 8:10 बजे इटारसी और रात 10:40 बजे भोपाल पहुंचेगी। गुरुवार रात 8:30 बजे जोधपुर पहुंचेगी।

इस ट्रेन में 24 कोच रहेंगे। इनमें 15 थर्ड एसी, 2 सेकंड एसी, 3 स्लीपर और 2 एसएलआरडी कोच शामिल हैं। रेलवे के अधिकारियों का मानना है कि इससे भीड़ का दबाव कम होगा।

मेट्रो एंकर | **महात्मा गांधी हायर सेकंडरी सांदीपनि स्कूल में जुगाड़ से पढ़ाई**

संसाधन कम पर हौसला बड़ा...टायर से गणित और टूटी टाइल्स से छात्रों को विज्ञान की बारीकियां सिखा रहीं 'सांदीपनि' की शिक्षिका

भोपाल। दोपहर मेट्रो

पढ़ाई के लिए हमेशा महंगे मॉडल और नई सामग्री की जरूरत नहीं होती। जरूरत है तो सिर्फ नजरिए की। भोपाल के महात्मा गांधी हायर सेकंडरी संदीपनी स्कूल की शिक्षिका डॉ. अर्चना शुक्ला ने स्कूल में पड़े कबाड़ को ही बच्चों की पढ़ाई का जरिया बना दिया। कहीं टूटी फॉल्स सीलिंग की टाइल्स विज्ञान के मॉडल में बदल गईं तो कहीं पुराने टायर और खाली पड़ी बेंच से गणित का ऐसा मॉडल तैयार हुआ, जो बच्चों के लिए पढ़ाई से ज्यादा खेल बन गया। डॉ. अर्चना शुक्ला को 2026 का राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान भी दिया गया है। उनका मानना है, जब विद्यार्थी किसी चीज को सिर्फ पढ़ता नहीं, बल्कि उसे बनाता, छूता और प्रयोग करता है, तो सीखना उसके लिए बोझ नहीं रहता। यह सिर्फ मॉडल बनाने तक सीमित नहीं है। स्कूल में प्रोजेक्ट आधारित और समस्या आधारित शिक्षण पर भी काम किया जाता है। विद्यार्थियों को छोटी कक्षाओं में भेजते हैं। कहते हैं, वहां देखें कि बच्चों को किस विषय में परेशानी है। उसे बड़ी कक्षा के बच्चे हल करते हैं। इससे समझ बढ़ रही है।

खेल-खेल में ऐसे विज्ञान की बनी प्रयोगशाला

बारिश के दौरान एक खाली कक्षा की फॉल्स सीलिंग की टाइल्स टूट गई थीं। ये टाइल्स कबाड़ में रखी थीं। डॉ. अर्चना ने इन्हें फेंकने के बजाय बच्चों की रचनात्मकता से जोड़ दिया। हल्की और बोर्ड जैसी इन टाइल्स पर विद्यार्थियों ने रंगों के जरिए विज्ञान से जुड़े चित्र और मॉडल तैयार किए। इसका मकसद सिर्फ कबाड़ का इस्तेमाल करना नहीं था। बच्चों को परीक्षा में कॉपी पर बनाए जाने वाले चित्रों को रटने के बजाय उन्हें रंगों और रचनात्मक तरीके से तैयार करने का मौका दिया गया।

मिट्टी और रंगों से विज्ञान

डॉ. अर्चना के अनुसार, जब बच्चा क्ले या मिट्टी से किसी वैज्ञानिक संरचना को खुद बनाता है, तो उसे छूता है, आकार देता है, रंग चुनता है, समझता है। सबसे दिलचस्प प्रयोग गणित में किया गया। खाली पड़ी बेंच व बच्चों के लाए गए पुराने टायरों से ऐसा मॉडल बनाया, जिससे जोड़, घटाव, गुणा और भाग जैसे सवालों को खेल से जोड़ा। यह मॉडल स्कूल में बाहर रखते हैं और बच्चे को उस पर गणित का सवाल लगा मिलता है। बच्चे उत्सुकता से उसे हल करते हैं।

छत्तीसगढ़ में छह नए शासकीय फिजियोथैरेपी कॉलेज खोलने की तैयारी

और यहां... सरकार की उपेक्षा से फाइलों में कैद होकर रह गई फिजियोथैरेपी पाठ्यक्रम की घोषणा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में शासकीय मेडिकल कॉलेजों में फिजियोथैरेपी पाठ्यक्रम शुरू करने की पूर्व घोषणा अब तक पूरी तरह लागू नहीं होने पर भौतिक चिकित्सक कल्याण संघ ने सरकार से इस मामले में गंभीरता से कार्रवाई की मांग की है। संघ का कहना है कि एक ओर छत्तीसगढ़ में छह नए शासकीय फिजियोथैरेपी कॉलेज खोलने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं, वहीं मध्यप्रदेश में पूर्व में की गई घोषणा फाइलों में ही अटकी हुई है। संघ ने गांधी मेडिकल कॉलेज सहित प्रदेश के सभी शासकीय मेडिकल कॉलेजों में चरणबद्ध तरीके से फिजियोथैरेपी पाठ्यक्रम शुरू करने की मांग की है।

संघ के अनुसार 16 सितंबर 2025 की जानकारी में छत्तीसगढ़ में छह नए शासकीय फिजियोथैरेपी कॉलेजों के निर्माण को प्रशासनिक स्वीकृति दिए जाने की बात सामने आई थी। मनेन्द्रगढ़, जशपुर, रायगढ़, बिलासपुर, दुर्ग और जगदलपुर में प्रस्तावित इन कॉलेजों के लिए करीब 83 करोड़ 62 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। प्रत्येक कॉलेज के लिए करीब 13 करोड़ 93 लाख रुपए का प्रावधान बताया गया है। संघ का कहना है कि छत्तीसगढ़ की यह पहल फिजियोथैरेपी शिक्षा को स्वास्थ्य व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा मानते हुए उसके विस्तार की दिशा में बड़ा कदम है।

इसके विपरीत मध्यप्रदेश में वर्तमान में केवल जबलपुर, इंदौर और शहडोल के शासकीय मेडिकल कॉलेजों में फिजियोथैरेपी पाठ्यक्रम संचालित हो रहा है। संघ का कहना है कि तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने संघ की मांग पर गांधी मेडिकल कॉलेज सहित प्रदेश के सभी शासकीय मेडिकल कॉलेजों में फिजियोथैरेपी पाठ्यक्रम शुरू करने की घोषणा की थी। विधानसभा की प्रश्नोत्तरी में स्वास्थ्य विभाग की ओर से दी गई जानकारी से भी इस घोषणा की पुष्टि होने का दावा संघ ने किया है। इसके बावजूद इसका पूर्ण क्रियान्वयन नहीं हुआ है।

2023 की घोषणा अभी भी अधर में...

संघ ने कहा कि फिजियोथैरेपी शिक्षा को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर भी बदलाव हो रहे हैं। भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार फिजियोथैरेपी पाठ्यक्रम की अवधि 4.5 वर्ष से बढ़ाकर 5 वर्ष किए जाने और प्रवेश के लिए हृश्वश्चञ्ज को आधार बनाए जाने संबंधी निर्देश जारी किए गए हैं। ऐसे समय में प्रदेश के शासकीय मेडिकल कॉलेजों में पाठ्यक्रम शुरू करने से प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार होगा और सरकारी अस्पतालों को विशेषज्ञ फिजियोथैरेपिस्ट उपलब्ध हो सकेंगे।

जनवरी 2023 में पूर्व चिकित्सा शिक्षा मंत्री को ज्ञापन सौंपा गया था। तब मंत्री ने जो घोषणा की थी उस पर अब तक नहीं हुआ अमल।

2000 बिस्तरों के हमीदिया में एक फिजियोथैरेपिस्ट

संघ ने हमीदिया अस्पताल में उपलब्ध फिजियोथैरेपी सेवाओं को लेकर भी सवाल उठाए हैं। संघ के मुताबिक करीब 2000 बिस्तरों वाले इस बड़े शासकीय अस्पताल में मात्र एक फिजियोथैरेपिस्ट उपलब्ध है। संघ का सवाल है कि इतने बड़े अस्पताल में विभिन्न विभागों में भर्ती मरीजों की जरूरतें एक फिजियोथैरेपिस्ट से किस हद तक पूरी हो सकती हैं। मरीजों की संख्या के अनुरूप मानव संसाधन, उपकरण और विशेषज्ञ सेवाओं की समीक्षा की जरूरत भी संघ ने बताई है। संघ ने राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं निरीक्षण टीमों के सामने अस्पताल के फिजियोथैरेपी विभाग की वास्तविक स्थिति के समुचित मूल्यांकन का मुद्दा भी उठाया है। उसका कहना है कि निरीक्षण के दौरान यह देखा जाना चाहिए कि मरीजों की जरूरत के अनुसार विभाग में पर्याप्त विशेषज्ञ, उपकरण और सेवाएं उपलब्ध हैं या नहीं।

सिर्फ दर्द या व्यायाम नहीं, सात विशेषज्ञताओं में उपलब्ध हैं एक्सपर्ट

संघ के मुताबिक फिजियोथैरेपी अब केवल सामान्य व्यायाम या दर्द कम करने तक सीमित नहीं है। एमपीटी ऑर्थोपेडिक, न्यूरोलॉजी, स्पोर्ट्स, कार्डियोपल्मोनरी, पीडियाट्रिक, ऑन्कोलॉजी और गायनेकोलॉजी जैसी विशेषज्ञताओं में मास्टर डिग्रीधारी फिजियोथैरेपिस्ट उपलब्ध हैं। इनमें हड्डी-जोड़, स्ट्रोक-लकवा, खेल चोट, हृदय-फेफड़े, बच्चों के पुनर्वास, कैंसर के बाद पुनर्वास और महिला स्वास्थ्य से जुड़ी सेवाएं शामिल हैं। संघ का कहना है कि जब निजी क्षेत्र में इन विशेषज्ञताओं के प्रशिक्षित फिजियोथैरेपिस्ट उपलब्ध हैं तो सरकारी अस्पतालों में भी मरीजों की जरूरत के अनुरूप विशेषज्ञ पदों का सृजन कर नियुक्तियां की जानी चाहिए।

किसी व्यक्ति पर सवाल नहीं: डॉ सुनील पाण्डेय

भौतिक चिकित्सक कल्याण संघ के अध्यक्ष डॉ. सुनील पाण्डेय, एमपीटी, पीएचडी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में छह नए शासकीय फिजियोथैरेपी कॉलेजों के निर्माण की दिशा में उठाया गया कदम स्वागत योग्य है। मध्यप्रदेश में भी पूर्व में की गई घोषणा को अब धरातल पर लागू करने की आवश्यकता है। हमीदिया जैसे बड़े अस्पताल में मात्र एक फिजियोथैरेपिस्ट और विशेषज्ञ मानव संसाधन की कमी पर सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संघ का उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष पर प्रश्न उठाना नहीं, बल्कि प्रदेश के प्रत्येक मरीज को समय पर बेहतर और विशेषज्ञ फिजियोथैरेपी सेवाएं उपलब्ध कराना है।

हितग्राहियों की मुफ्त रजिस्ट्री करेंगे

प्रदेश में आरआई -पंचायत समन्वय अधिकारी को मिले सब रजिस्ट्रार के पॉवर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में आबादी की जमीन पर काबिज स्वामित्व योजना के 50 लाख से ज्यादा हितग्राहियों को जमीन और आवास का मालिकाना हक देने के लिए सरकार 17 सितंबर से मुफ्त रजिस्ट्री शुरू करने जा रही है। इसके लिए राजस्व निरीक्षक, प्रभारी राजस्व निरीक्षक, पंचायत समन्वय अधिकारी और सहायक विकास विस्तार अधिकारी को भी सब रजिस्ट्रार के अधिकार दिए गए हैं। ये अधिकारी अपने निर्धारित क्षेत्र में हितग्राहियों की रजिस्ट्री कर सकेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से स्वामित्व योजना के हितग्राहियों को मुफ्त रजिस्ट्री कर जमीन का मालिकाना हक देने की प्रक्रिया शुरू होगी। पहले योजना में 48.80 लाख हितग्राही चयनित थे, अब इनकी संख्या 50 लाख से अधिक बताई जा रही है। कैबिनेट करीब तीन महीने पहले ही इस फैसले को मंजूरी दे चुकी है।

एक अधिकारी को रोज 40 रजिस्ट्री का लक्ष्य- राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव ई. रमेश कुमार ने हाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल के सामने योजना का प्रजेंटेशन दिया था। इसमें रजिस्ट्री की गति बढ़ाने के लिए अधिकार प्राप्त हर अधिकारी-कर्मचारी को एक दिन में कम से कम 40 रजिस्ट्री करने का लक्ष्य रखा गया है। रजिस्ट्रीकर्ता के रूप में संबंधित क्षेत्र के हल्का पटवारी का नाम दर्ज रहेगा।

आरआई को जिले में, पंचायत अफसरों को जनपद क्षेत्र में अधिकार

वाणिज्यिक कर विभाग के नए नोटिफिकेशन के तहत राजस्व विभाग के राजस्व निरीक्षक और प्रभारी राजस्व निरीक्षक को रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 की धारा 6 के तहत सब रजिस्ट्रार की शक्तियां दी गई हैं। ये अपने क्षेत्र के संबंधित जिलों में आबादी भूमि की मुफ्त रजिस्ट्री कर सकेंगे। इसी तरह पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सहायक विकास विस्तार अधिकारी और पंचायत समन्वय अधिकारी को उनके पदस्थ जिले के जनपद क्षेत्र में उप पंजीयक पंजीयन घोषित किया गया है। वे भी स्वामित्व योजना के पात्र हितग्राहियों की रजिस्ट्री कर सकेंगे। सरकार इससे पहले प्रदेश के सभी तहसीलदारों को भी स्वामित्व योजना की मुफ्त रजिस्ट्री के लिए सब रजिस्ट्रार के अधिकार दे चुकी है। अब नए नोटिफिकेशन से रजिस्ट्री कराने वाले अधिकारियों की संख्या और बढ़ गई है।

सागर शराब कांड में मौतों के आंकड़े पर घमासान

गोविंद राजपूत ने मौतों का आंकड़ा 20 बताया

सागर, दोपहर मेट्रो

सागर जिले में जहरीली शराब से हुई मौतों का मामला लगातार गंभीर होता जा रहा है। इस त्रासदी में जान गंवाने वालों की संख्या को लेकर अब सरकार और विपक्ष के दावों में बड़ा अंतर सामने आया है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज पहुंचकर प्रभावित मरीजों से मुलाकात की और मृतकों की संख्या 20 बताई। दूसरी ओर, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने इस आंकड़े पर सवाल उठाते हुए मौतों की संख्या 43 तक पहुंचने का दावा किया है।

गोविंद सिंह राजपूत ने बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज का दौरा किया। उन्होंने जहरीली शराब से प्रभावित मरीजों का हाल जाना और चिकित्सकों से उपचार की जानकारी ली। मीडिया से बातचीत में मंत्री ने कहा कि अब तक 20 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। उन्होंने मृतकों के परिवारों को राहत राशि उपलब्ध कराने की बात भी कही और कहा कि अगले तीन दिनों में पात्र परिवारों को सरकारी सहायता दी जाएगी। मंत्री ने यह भी बताया कि जहरीली शराब के सेवन के बाद तीन मरीजों की आंखों की रोशनी प्रभावित हुई है। बेहतर उपचार के लिए इन मरीजों को दूसरे स्थान पर भेजे जाने की जानकारी दी गई।

सरकार और विपक्ष के दावों में बड़ा अंतर

मौतों की संख्या को लेकर सामने आए अलग-अलग आंकड़ों ने प्रशासनिक व्यवस्था और सरकारी दावों पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। एक तरफ सरकार आधिकारिक रूप से 20 मौतों की बात कह रही है, वहीं विपक्ष इससे कहीं ज्यादा संख्या होने का दावा कर रहा है। ऐसे में पूरे मामले में वास्तविक मृतकों की संख्या को लेकर तस्वीर साफ होना अभी बाकी है। मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि सरकार प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। मृतकों के परिजनों को जल्द आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की बात कही गई है। अस्पताल में भर्ती मरीजों के उपचार की भी लगातार निगरानी की जा रही है। जिन मरीजों की हालत गंभीर है या जिन्हें विशेष उपचार की आवश्यकता है, उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

दिग्विजय सिंह पर मंत्री का पलटवार

मामले को लेकर सियासी बयानबाजी भी तेज हो गई है। दिग्विजय सिंह के 43 मौतों के दावे पर गोविंद सिंह राजपूत ने उन पर तीखा हमला बोला। मंत्री ने कहा कि दिग्विजय सिंह को अब राजनीति करने के बजाय मंदिर में बैठकर पूजा-पाठ करना चाहिए। इस बयान के बाद जहरीली शराब कांड को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक टकराव और बढ़ने के आसार हैं। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि इस त्रासदी में वास्तव में कितने लोगों की जान गई और प्रशासन के आधिकारिक आंकड़े तथा विपक्ष के दावे में इतना बड़ा अंतर क्यों है।

महाराष्ट्र में हिंदी विरोधी घटनाओं पर मप्र में चिंता पांच प्रस्ताव पारित

भोपाल। मध्य प्रदेश के हिंदी भाषा प्रेमियों ने तय किया है कि महाराष्ट्र में जिस तरह गैर-मराठी भाषियों पर अत्याचार के नए-नए तरीके निकाले जा रहे हैं, उसे रोकने के लिए सरकार से हस्तक्षेप की मांग की जाएगी।

मध्य प्रदेश से एक दल जाएगा महाराष्ट्र- भोपाल के गांधी भवन में आयोजित बैठक में पांच सूत्रीय प्रस्ताव पारित किया गया। इसमें तय किया गया कि भाषायी साम्राज्यवाद का प्रतिकार करने के लिए मध्य प्रदेश से एक दल महाराष्ट्र जाएगा। साथ ही हिंदी भाषियों में अपनी भाषा के प्रति चेतना पैदा करने का काम किया जाएगा और नामपट्ट हिंदी में लिखने का आग्रह किया जाएगा।

हिंदी विरोध में हिंसक घटनाओं से पहुंचा धक्का

समाजवादी नेता रघु ठाकुर ने कहा कि हाल में महाराष्ट्र में जिस प्रकार हिंदी विरोध में हिंसक घटनाएं हुईं, उससे हिंदी को और धक्का पहुंचा है। इससे मराठी भाषायी साम्राज्यवाद जैसा वातावरण बना दिया गया है। यह केवल जनता के स्तर पर नहीं है, बल्कि इसके पीछे महाराष्ट्र की भाजपा सरकार की सुनियोजित योजना महसूस होती है।

सांस्कृतिक आंदोलन चलाने की बात कही- डॉ. विजय बहादुर सिंह ने कहा कि हिंदी का प्रश्न राजनीतिक है और इसे इसी स्तर पर लड़ा जाना चाहिए। उन्होंने सांस्कृतिक आंदोलन चलाने की भी बात कही।

अब रोम्स पोर्टल पर दर्ज होंगे 3 लाख आउटसोर्स कर्मचारी

भोपाल। मध्य प्रदेश में आउटसोर्स कर्मचारियों की व्यवस्था अब ऑनलाइन होने जा रही है। सरकार ने आउटसोर्सिंग से जुड़ी जानकारी को रोम्स (ऋह्लस्र) पोर्टल पर दर्ज करना अनिवार्य कर दिया है। इसमें आउटसोर्स एजेंसी के पंजीयन और सत्यापन से लेकर कर्मचारी की आधार

ई-केवाईसी, ऑनबोर्डिंग, मासिक हाजिरी और एजेंसी के इनवॉइस तक का रिकॉर्ड ऑनलाइन रहेगा। हालांकि, कर्मचारी संगठनों ने इस व्यवस्था में एक बड़ी कमी बताते हुए कर्मचारियों के लिए अलग एम्प्लॉई लॉगिन देने की मांग की है। संगठनों का सवाल है कि जब कर्मचारी की जानकारी पोर्टल पर दर्ज होगी तो कर्मचारी खुद अपना रिकॉर्ड क्यों नहीं देख सकेगा? उनका कहना है कि कर्मचारी को यह पता चलना चाहिए कि पोर्टल पर उसकी कितनी हाजिरी दर्ज है, उसके नाम पर कितना वेतन दिखाया गया है और वेतन से कितनी राशि काटी गई है। खासकर पीएफ की कटौती को लेकर संगठनों का कहना है कि कर्मचारी को इसकी जानकारी ऑनलाइन देखने की सुविधा मिलनी चाहिए।

प्रशासन ने शुरू की प्रस्ताव बनाने की तैयारी

ओरछा का जहांगीर महल , अब जाना जाएगा वीर महल के नाम से, सीएम ने दिए थे संकेत

टीकमगढ़, दोपहर मेट्रो

पर्यटन नगरी ओरछा की ऐतिहासिक पहचान जहांगीर महल के नाम को लेकर अब बदलाव की प्रशासनिक कवायद तेज हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पिछले दिनों कार्यसमिति की बैठक के दौरान ओरछा में महल के निरीक्षण के समय इसका नाम बुंदेला शासक महाराजा वीर सिंह देव के नाम पर वीर सिंह महल किए जाने के संकेत दिए थे। इसके बाद निवाड़ी जिला प्रशासन ने इस दिशा में प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रशासन ने नामकरण से संबंधित प्रस्ताव तैयार कर रहा है। अब पुरातत्व विभाग महल के निर्माण, उसके ऐतिहासिक नाम और तत्कालीन परिस्थितियों से जुड़े प्राचीन अभिलेखों व साक्ष्यों का परीक्षण कर रहा है। इनकी समीक्षा के बाद अंतिम प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा।

बेतवा नदी के किनारे स्थित जहांगीर महल ओरछा की सबसे प्रमुख स्थापत्य धरोहरों में शामिल है। तीन मंजिला इस महल का निर्माण महाराजा वीर सिंह देव के शासनकाल में विक्रम संवत 1662 से 1684 के बीच कराया गया था। महल में 136 कोठरियां, अलंकृत मेहराब, जालियां और विशाल गज द्वार हैं। इसकी स्थापत्य शैली में बुंदेली और मुगल शैली का प्रभाव दिखाई देता है।

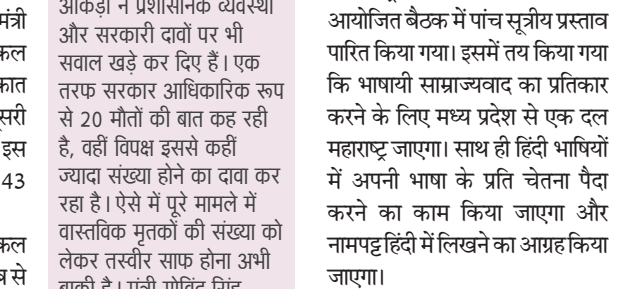

निर्माण वीर सिंह देव ने कराया, नाम जहांगीर से जुड़ा

महल के नाम को लेकर अब मूल सवाल इसके निर्माणकर्ता और वर्तमान पहचान से जुड़ गया है। प्रशासनिक स्तर पर यह देखा जा रहा है कि ऐतिहासिक अभिलेखों में महल के निर्माण, नामकरण और तत्कालीन उपयोग का उल्लेख किस स्वरूप में मिलता है। इसी आधार पर नाम परिवर्तन का प्रस्ताव आगे बढ़ाया जाएगा। बुंदेलखंड के इतिहासकारों के अनुसार, महल की स्थापत्य विशेषताएं बुंदेला शासक वीर सिंह देव के दौर की कारीगरी और वास्तु दृष्टि को सामने लाती हैं। उनके अनुसार, यदि नाम में बदलाव किया जाता है तो इसके साथ महल से जुड़े प्रमाणिक ऐतिहासिक तथ्यों को भी व्यापक स्तर पर सामने लाना जरूरी होगा।

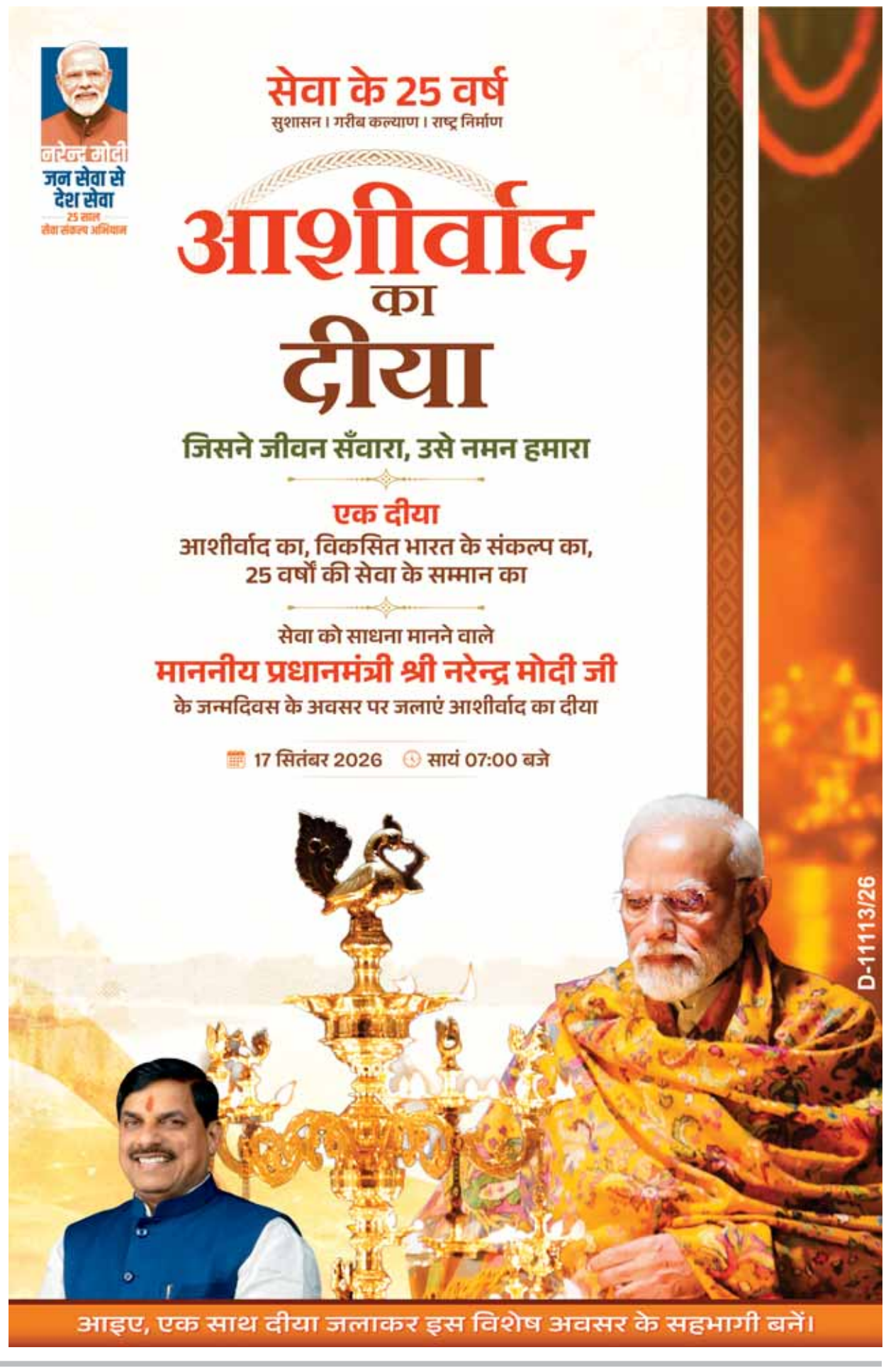

डिजिटल भुगतान में उपलब्धि

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में जिस तेजी से अपनी पहचान बनाई है, वह केवल तकनीकी बदलाव की कहानी नहीं है, बल्कि आर्थिक व्यवस्था में आए व्यापक परिवर्तन का प्रमाण भी है। कभी छोटे दुकानदार से लेकर सब्जी विक्रेता तक के लिए नकद भुगतान ही सबसे आसान विकल्प माना जाता था, वहीं आज क्यूआर कोड और यूपीआई के माध्यम से कुछ सेकंड में भुगतान हो जाता है। इस बदलाव ने भारत को डिजिटल अर्थव्यवस्था के वैश्विक मंच पर एक अलग पहचान दी है।

यूपीआई की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उसने डिजिटल भुगतान को आम आदमी की पहुंच में ला दिया। स्मार्टफोन और बैंक खाते के सहारे छोटे से छोटा भुगतान भी आसानी से किया जा सकता है। इसके लिए न तो लंबी प्रक्रिया की जरूरत है और न ही तकनीकी विशेषज्ञता की। यही सरलता यूपीआई की ताकत बनी है।

डिजिटल भुगतान ने लेन-देन को तेज और सुविधाजनक बनाने के साथ अर्थव्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत की उपलब्धि का महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि अब दूसरे देश भी भारतीय डिजिटल भुगतान व्यवस्था में रुचि दिखा रहे हैं। यूपीआई को विभिन्न देशों में स्वीकार्यता मिलना इस बात का संकेत है कि भारत ने केवल अपने लिए डिजिटल भुगतान का सफल मॉडल तैयार नहीं किया, बल्कि दुनिया के सामने एक उपयोगी विकल्प भी रखा है। भारत के साथ कई देशों का सहयोग इस व्यवस्था को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

इसका एक बड़ा लाभ भारतीय यात्रियों और कारोबारियों को भी मिल सकता है। विदेशों में भारतीय डिजिटल भुगतान व्यवस्था की स्वीकार्यता बढ़ने से भुगतान आसान होगा और नकदी या विदेशी मुद्रा पर निर्भरता कुछ कम हो सकती है। साथ ही, सीमा पार डिजिटल लेन-देन बढ़ने से व्यापार और पर्यटन को भी गति मिलने की संभावना है।

हालांकि डिजिटल भुगतान के विस्तार के साथ चुनौतियां भी हैं। साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी, फर्जी क्यूआर कोड, फिशिंग और डिजिटल धोखाधड़ी के मामले लगातार चिंता का विषय बने हुए हैं। डिजिटल अर्थव्यवस्था की सफलता केवल लेन-देन की संख्या बढ़ाने से नहीं होगी, बल्कि नागरिकों के पैसे और व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा सुनिश्चित करने से होगी। ग्रामीण और कम डिजिटल साक्षरता वाले क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाना भी उतना ही जरूरी है।

भारत को अब अपनी इस उपलब्धि को केवल घरेलू सफलता तक सीमित नहीं रखना चाहिए। डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में अन्य देशों के साथ तकनीकी सहयोग, साइबर सुरक्षा और साझा मानकों पर काम किया जाना चाहिए। भारत के पास दुनिया को यह दिखाने का अवसर है कि तकनीक किस तरह वित्तीय सेवाओं को आम नागरिक के लिए सरल और सुलभ बना सकती है। डिजिटल भुगतान में भारत की सफलता वास्तव में 'मेक इन इंडिया' से आगे बढ़कर 'यूज्ड बाय द वर्ल्ड' बनने की कहानी है। दुनिया का बढ़ता समर्थन इस उपलब्धि को और मजबूत करता है। अब अगली चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि डिजिटल भारत केवल तेज भुगतान वाला भारत न हो, बल्कि सुरक्षित, भरोसेमंद और सबको साथ लेकर चलने वाला भारत भी बने।

संकल्प से सिद्धि तक: श्री नरेन्द्र मोदी की 25 वर्षों की राष्ट्रसेवा यात्रा

सुरेश पचौरी
वरिष्ठ भाजपा नेता तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री

ये भारत के शिल्पकार श्री नरेन्द्र मोदी अपनी अनवरत जनसेवा व राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूरे करने जा रहे हैं। यह यात्रा 7 अक्टूबर, 2001 को शुरू हुई थी, जब उन्होंने 12 वर्ष 7 माह तक गुजरात के सफल मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। श्री नरेन्द्र मोदी ने 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री के रूप में प्रथम बार शपथ ली। तब से लेकर आज तक उन्होंने 'जनसेवा से राष्ट्रसेवा' के मंत्र को जी कर दिखाया है और उनकी इस यात्रा की गति न धीमी हुई और न रूकी, बल्कि कीर्तिमान स्थापित करते हुये सतत् जारी है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 17 सितम्बर, 2026 को अपने जीवन के 75 वर्ष पूरे करने जा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी उनके जन्म दिवस पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' प्रारंभ करने जा रही है, जब उनके सुशासन के 25 वर्ष पूरे होंगे। 12 वर्ष 7 माह तक गुजरात के मुख्यमंत्री और कमोबेश इतनी ही अवधि के उनके प्रधानमंत्रित्व कार्यकाल पर दृष्टिपात करें तो स्पष्ट प्रतीत होता है कि उन्होंने जनसेवा का कीर्तिमान और प्रतिमान रच दिया।

गुजरात के मेहसाणा जिले के एक छोटे से गांव बड़नगर से शुरू हुई उनकी जीवन यात्रा में आए तमाम उतार-चढ़ाव के बीच लगन, निष्ठा, परिश्रम, त्याग, दृढ़ इच्छाशक्ति और राष्ट्रप्रेम के चलते वे भारतीय राजनीति के शलाका पुरुष बन चुके हैं। वे आज सिर्फ भारत के प्रधानमंत्री के रूप में ही नहीं जाने-पहचाने जाते, वरन आज वे विश्व के अग्रणी शीर्ष नेताओं में शुमार हो चुके हैं। श्री नरेन्द्र मोदी को 36 देशों ने अपने सर्वोच्च सम्मान से विभूषित किया है। वे ऐसे तपे-तपाए जननेता हैं, जिनमें कुंदन की कठोरता भी है और चंदन की शीतलता भी विद्यमान है। उनके चिंतन में राष्ट्र, राष्ट्रबोध एवं राष्ट्रहित सर्वोपरि है और इसी उदात्त भावना से ओतप्रोत होकर उन्होंने किशोरावस्था में अपना घर-द्वार छोड़कर जनसेवा की ओर जो कदम बढ़ाए, वे आज तक नहीं रुके।

उन्होंने दशकों से लंबित फैसलों को पूरा किया - चाहे धारा 370 की समाप्ति हो, भव्य श्री राम मंदिर का निर्माण हो या सीमाओं की अभेद्य सुरक्षा हो। विज्ञान के क्षेत्र में चंद्रयान-3 की सफलता से लेकर मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत तक, उनके हर कदम ने भारत को सशक्त बनाया है। स्वच्छ भारत से जल जीवन मिशन तक,उज्जवला योजना से आयुष्मान भारत तक, किसान सम्मान निधि से लखपति दीदियों की आत्मनिर्भरता तक - हर योजना का एक ही ध्येय रहा है कि सबका जीवन बेहतर हो, भारत समर्थ बने। ये 25 वर्ष सिर्फ सत्ता के नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के विश्वास और एक दूरदर्शी नेता के तप, त्याग और नेतृत्व की गाथा है।

प्रधानमंत्री के रूप में विगत लगभग साढ़े बारह वर्षों के दौरान मोदी जी ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन कार्ययोजनाओं को अमली जामा पहनाया, जिसका भाजपा ने चुनाव घोषणा पत्र में वादा किया गया था। चाहे वह सामाजिक-आर्थिक बदलाव हों, चाहे प्राकृतिक संसाधनों, खनिजों, सांस्कृतिक धरोहरों आदि का संरक्षण हो या फिर देश के किसानों के कल्याण के लिए कृषि पर आधारित अर्थव्यवस्था हो, सब पर विशेष ध्यान दिया गया। मोदी जी के मार्गदर्शन में युवाओं में नवाचार और आत्मनिर्भरता की भावना बढ़ाने के लिए स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया और डिजिटल स्किल इंडिया जैसी योजनाओं का सूत्रपात हुआ है। श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में प्रगति की रफ्तार दिन-ब-दिन बढ़ती नज़र आ रही है। आम आदमी के जीवन में खुशहाली आई, समाज के कमजोर वर्गों के लोगों के जीवन में सुधार आया, दुनिया में भारत के मान-सम्मान में वृद्धि हुई, पड़ोसी देश पाकिस्तान को ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान मुंह की खानी पड़ी। श्री मोदी देश हित में इतने दृढ़प्रतिज्ञ हैं कि दुनिया की कोई ताकत आज तक उन्हें अपने सिद्धांतों से न तो डिगा सकी है और न ही झुका सकी है। उनका यह आत्मबल न सिर्फ करोड़ों भारतवासियों बल्कि विश्व के दीगर मुल्कों में रहने वाले भारतवासियों को संबल प्रदान करता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। हमारी जीडीपी वृद्धि दर भी 7.8% है।

रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। देश विरोधियों और भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति परिणाममूलक है।

प्रधानमंत्री ने सरकार की योजनाओं के केन्द्र बिन्दु में हमेशा 'आम आदमी' को रखा। इस सोच के साथ गरीब कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। मसलन, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश के करोड़ों परिवारों को पक्के घर दिए गये। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत लाखों शौचालयों का खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कराया गया। उज्जवला योजना के माध्यम से गरीब महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन प्रदान कर उनके स्वास्थ्य और गरिमा की रक्षा की गई। बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के मद्देनजर आयुष्मान भारत योजना शुरू की गई, जिससे लगभग 60 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्य बीमा का सुरक्षा कवच मिला। जल जीवन मिशन से हर घर को नल से जल उपलब्ध कराने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किया जा रहा है। आधारभूत संरचना की बात की जाये तो प्रधानमंत्री ने इसे राष्ट्र की रीढ़ मानते हुए इसमें भारी निवेश किया। सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों और डिजिटलीकरण में उल्लेखनीय प्रगति देखने को मिल रही है। ग्रामीण भारत में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में मेट्रो और स्मार्ट सिटी जैसी योजनाएं मूर्तरूप ले रही हैं।

कर्मयोगी श्री नरेन्द्र मोदी ने अपना जीवन 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' के भाव को चरितार्थ करते हुए राष्ट्र को समर्पित कर दिया है। वे 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' का संकल्प लेकर भारत को दुनिया का सिरमौर बनाने में अहर्निश लगे हुए हैं। मोदी जी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार का सिद्धांत है- रिफार्म, परफार्म एवं ट्रांसफॉर्म। प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की गई। पिछले साढ़े 12 वर्षों में यह अभियान एक जन आंदोलन बन गया है। साथ ही उज्जवला योजना,जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत करोड़ो लोग लाभान्वित हुये हैं। प्रधानमंत्री जी ने गरीबों के सम्मान, युवाओं के सामर्थ्य, किसानों की समृद्धि व महिलाओं के सशक्तिकरण को राष्ट्र निर्माण का विशेष आधार बनाया।

श्री मोदी ने अपने विजन में अन्नदाता किसान को सदैव अपनी प्राथमिकता में रखा। उन्होंने किसानों की आर्थिक दशा सुधारने के लिए अनेक योजनाओं का प्रावधान किया। उनकी सोच बहुत स्पष्ट है कि कृषि आजीविका का साधन मात्र न रहे, बल्कि यह लाभ का व्यवसाय बने। फिलहाल किसानों के सम्मान स्वरूप उन्हें दी जाने वाली प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से सालाना 6 हजार रूपये की सीधी सहायता दी जा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विजन बहुत साफ़ है कि किसानों को उनकी पैदावार का सही दाम मिले। इस बाबत् फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में रिकार्ड बढ़ोत्तरी की। पीएम फसल बीमा योजना एवं राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएमआरकेवाई) से अन्नदाता लाभान्वित हो रहे हैं। मृदा स्वास्थ्य कार्ड, परम्परागत कृषि विकास योजनाओं जैसी जनहितैषी पहल से उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार हुआ है। श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश में रेल नेटवर्क का व्यापक ऐतिहासिक उपलब्धि सहित विस्तार हो रहा है।

महिला सशक्तिकरण मोदी सरकार के विकास एजेंडे का प्रमुख हिस्सा है। मातृवंदन योजना, नारी शक्ति वंदन और 33 प्रतिशत आरक्षण से महिलाओं के जीवन में नई उम्मीद जगी है। केन्द्र सरकार का लक्ष्य तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का है, जिनमें से लगभग डेढ़ करोड़ लखपति दीदी अपना गरिमामय जीवन जी रही हैं। 'बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ' अभियान से बेटियों का आत्मसम्मान बढ़ा है। तीन तलाक कानून की समाप्ति से मुस्लिम महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित हुई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार ने देश में लगभग 2 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोले हैं। कोरोना काल में प्रधानमंत्री जी ने स्वदेशी वैक्सीन के आविष्कार में प्रेरक भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना 'संकल्प विरासत का, संरक्षण भी और विकास भी' के परिणाम स्वरूप अयोध्या में रामलला की दिव्य मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई। काशी में बाबा विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैन में महाकाल लोक, केदारनाथ धाम का नवनिर्माण, बद्रीनाथ क्षेत्र का विकास, करतार साहब कॉरिडोर को खुलवाना, हेमकुण्ड साहब और गिरनार में रोपवे बनाना, नमामि गंगे योजना, तिरुवल्लूर में कल्चरल सेन्टर बनाना आदि उल्लेखनीय कार्यों से भारत आत्मगौरव के साथ विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में स्वदेशी चिंतन आधुनिक देश की आर्थिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चिंतन का आधार बन रहा है। कुल मिलाकर हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता से भारत तरक्की के नये सोपान नापते हुए आगे बढ़ रहा है, साथ ही पूरी तरह सुरक्षित भी है। आज जिस बढ़ते भारत को भारतवासी देख रहे हैं, वह संकल्प से सिद्धि का सुफल है। यह गर्व का विषय है कि वाइब्रेंट गुजरात के विजन ने देश को निवेश का मॉडल दिया और ब्रिक्स 2026 के शिखर सम्मेलन ने भारत को विश्वगुरु के मंच पर प्रतिष्ठापित किया। श्री नरेन्द्र मोदी की राष्ट्रसेवा यात्रा पर विहंगम दृष्टिपात करें तो विकास से वैश्विक नेतृत्व तक भारत के कदम आगे ही बढ़ते जा रहे हैं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

बाक्स आफिस पर जलवा बना रही है हनुमान अंश, हैरान हैं फिल्म मेकर्स

मनोज कुमार अग्रवाल
स्तंभकार

हनुमान अंश फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर सफलता वाकई बाबा नीबकरोली के चमत्कार का सबूत बन गयी है। महज 2 करोड़ से भी कम के सीमित बजट में बनी इस फिल्म ने शुरुआती फीके रिस्पॉन्स के बाद बॉक्स ऑफिस पर जो ऐतिहासिक वापसी की है, उसने ट्रेड एनालिस्ट्स से लेकर बड़े-बड़े फिल्म मेकर्स को हैरान कर दिया है। कभी फिल्म को ठुकराने वाला ओटीटी प्लेटफॉर्म अब अपनी गलत असेसमेंट पर पश्चाताप कर रहा है और फिल्म के राइट खरीदने के लिए मोटा आफर कर रहा है। नीब करौली बाबा के पावन जीवन पर आधारित फिल्म हनुमान अंश ने अपने 37वें दिन तक दुनियाभर में 236.50 करोड़ का कुल वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। महज 2 करोड़ के बेहद कम बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया है और अपने बजट से 100 गुना से भी ज्यादा की कमाई कर चुकी है।रिलीज़ के 30 दिनों के भीतर इस फिल्म ने भारत में 100करोड़ से अधिक का नेट कलेक्शन किया था , जो इसकी लागत का कई गुना था।

अध्यात्मिक संत बाबा नीबकरोली का जीवन चमत्कारों से भरा रहा। इसी के चलते 1950 से 1970 तक के दशकों में बाबा नीबकरोली के लाखों भक्त अनुयायी बने इनमें सैकड़ों की तादाद में विदेशी भक्त भी शामिल थे कई विदेशी भक्तों को प्रथम भेंट में ही बाबा ने अपनी कृपा दृष्टि से ड्रग्स के जहरीले नशे से जीवन भर के लिए मुक्त कर दिया उनके जीवन से स्टीव जाब्स और मार्क जुकरबर्ग जैसे आइटी फिल्ड के दिग्गजों ने प्रेरणा ली और अपने क्षेत्र में क्रांतिकारी उपलब्धियां दर्ज की। बाबा नीम करौली के प्रति अगाध आस्था का ही परिणाम है कि इस फिल्म को उम्मीद से ज्यादा सफलता मिल गई है। यह फिल्म आध्यात्मिक संत नीम करौली बाबा के जीवन और उनकी शिक्षाओं पर आधारित है। उत्तर भारत सहित देश-विदेश में बाबा के करोड़ों भक्त हैं। दर्शकों के लिए यह केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि एक गहरा आध्यात्मिक अनुभव (सत्संग) बन गई है,जिससे लोग भावनात्मक रूप से जुड़ गए।

डॉ. विशाल चतुर्वेदी के निर्देशन में बनी फिल्म हनुमान अंश बॉक्स ऑफिस पर नए इतिहास रच रही है। सिर्फ 2 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म ने वर्ड ऑफ माउथ के चलते शानदार कमाई के कीर्तिमान रचे हैं। फिल्म को रिलीज हुए 37 दिन हो चुके हैं, आइए जानते हैं एक महीना पूरा होने पर फिल्म ने क्या इतिहास रचा है? 2 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म हनुमान अंश इस समय वो कर रही है, जो कुछ बड़ी बजट की फिल्में करने का सपना देखती हैं। बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म किसी आंधी की तरह आई है, जो अपने साथ कई रिकॉर्ड भी तोड़ रही है। फिल्म हनुमान अंश लोगों का दिल जीतते हुए नेट 236 करोड़ का आंकड़ा लगभग छू गई है। अपने पांचवे शनिवार को भी इसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की। नीम करोली बाबा की जिंदगी पर आधारित ये फिल्म इस समय इतिहास रच चुकी है। इसके गाने भी सबके दिलों में उतर चुके हैं।

इस फिल्म को बनाने वाली फिल्ममेकर सिर्फ 21 साल आयु की अनुप्रिया नागर के हनुमान अंश बनाने के पीछे स्टीव जॉब्स का एक अनूठा कनेक्शन है।अमेरिका में इकोनॉमिक्स की पढ़ाई के दौरान, अनुप्रिया इस बात पर रिसर्च कर रही थीं कि बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों और उनके फाउंडर्स को अपने आइडिया कैसे मिले। इसी दौरान उन्हें एप्पल के दिवंगत को-फाउंडर और नीम करौली बाबा के बीच एक कनेक्शन का पता चला।इस खोज ने आखिरकार अनुप्रिया की जिंदगी की दिशा ही बदल दी। अनुप्रिया ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने कभी फिल्म बनाने का प्लान नहीं बनाया था। उनका असल प्लान यूके में इकोनॉमिक्स की डिग्री पूरी करने के बाद स्विट्जरलैंड जाकर आर्ट इंडस्ट्री में नौकरी करने का था।

अनुप्रिया, जो आर्ट इंडस्ट्री में नौकरी के लिए स्विट्ज़रलैंड जाने की तैयारी कर रही थीं, भारत लौट आईं और बाद में फिल्ममेकर विशाल चतुर्वेदी से मिलीं, जो नीम करौली बाबा पर एक फिल्म बना रहे थे। उन्होंने बताया कि बाकी सब कुछ इत्तेफाक से हुआ।इस तरह विशाल चतुर्वेदी से मिलने के बाद अनुप्रिया नागर ने हनुमान अंश प्रोड्यूस की और भारत की सबसे प्रॉफिटेबल फिल्मों में से एक बनाने वाली फिल्ममेकर बन गई। हनुमान अंश फिल्म में शोभिनव सत्या और चंदन आनंद मुख्य भूमिकाओं में हैं। पहली फिल्म आजादी से पहले के भारत में लक्ष्मी नारायण नाम के एक युवा लड़के के शुरुआती जीवन की कहानी दिखाती है। अपनी मां की मौत के बाद वह भगवान की खोज में घर छोड़ देता है और फिर उत्तर भारत की यात्रा करते हुए नीम करौली बाबा के रूप में बदल जाता है। सुनील लोधी, जो बुंदेलखंड के एक नेत्रहीन सिंगर हैं उनका गाया हुआ भजन मैंने तेरे ही भरोसे खूब सुना जा रहा है। इस फिल्म की सक्सेस से वो इमोशनल भी हो गए हैं। एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में उन्होंने फिल्म हनुमान अंश पर खुलकर बात की।

सुनील लोधी बचपन से ही देख नहीं सकते हैं और उन्होंने कभी संगीत की कोई औपचारिक ट्रेनिंग भी नहीं ली। वो बताते हैं कि उन्होंने किसी गुरु से संगीत नहीं सीखा। वो सिर्फ लता मंगेशकर के गाने सुन-सुनकर गाना सीखते रहे और गांव में होने वाले भजन-कीर्तन में गाते थे। बाद में उन्होंने सोशल मीडिया पर बुंदेली लोकगीत और भजन पोस्ट करना शुरू किया।

इतना तय है कि निश्छल भक्ति सकारात्मक सोच और प्रयास कितना बड़ा परिणाम दे सकते हैं इस का कयास भी नहीं लगाया जा सकता है हनुमान अंश बाबा नीबकरोली के साक्षात चमत्कार की साक्षी बन रही है और यह हम सब महसूस ही नहीं कर रहे प्रत्यक्ष देख रहे हैं लाखों दर्शक सिने स्क्रीन पर खिंचे चले आ रहे हैं और बाबा के जीवन से प्रेरणा ले कर भीतर एक स्वःस्फूर्त चेतना का अनुभव कर रहे हैं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

निशाना

खेला हो गया

मनोज 'निडर'

क्या पता ये रोग था, या कोई खेला हो गया।
नाम शक्कर का लिया तो मुँह कसैला हो गया।
जी रहा गुमनाम था सबकी हिकारत झेलकर,
आज वो सबका दुलारा गुड़ का भेला हो गया।
आपकी मेहमाँ-नवाज़ी हम करें तो क्या करें,
चाय-मीठा उड़ गया, पानी अकेला हो गया।
सोच में वो ही पड़ें जिनको मिठाई चाहिए,
अपनी थाली का तो मालिक अब करेला हो गया।
डर नहीं था कल तलक महंगाई से हमको 'निडर',
आजकल बाज़ार में रुपया भी धेला हो गया।

टेक्नो अपडेट

क्लर्क के बेटे ने बनाया पानी से चलने वाला चूल्हा, आईआईटी ने भी ने माना लोहा

आपने LPG से चलने वाला चूल्हा देखा होगा और मिट्टी के तेल से चलने वाला चूल्हा भी देखा होगा। क्या आपने पानी और केरोसिन से चलने वाला चूल्हा देखा है? दरअसल मध्य प्रदेश की 11वीं के स्टूडेंट व्यासजी मिश्रा महज 16 साल की उम्र में ऐसा हाइब्रिड चूल्हा तैयार कर सबको हैरत में डाल दिया है। इस चूल्हे को ईंधन बचाने के मकसद से तैयार किया गया है और इस चूल्हे की खासियत है कि इसमें धुआं काफी कम निकलता है। सीमित साधनों के बावजूद व्यासजी मिश्रा ने अपने भाई की मदद से इस चूल्हे को तैयार किया है और इस खास तकनीक ने कई जगह पुरस्कार भी जीते हैं। हाल ही में सार्वजनिक हुई रिपोर्ट्स के मुताबिक व्यासजी ने हाइब्रिड चूल्हे को अपने बड़े भाई पवनजी मिश्रा की अधूरी कोशिश को पूरा करने के मकसद से तैयार करना शुरू किया था। सबसे पहले उन्होंने इसे 2001-02 के एक साइंस मेले में बनाने की कोशिश की थी।

कैसे काम करता है हाइब्रिड चूल्हा?: इस स्टोव को दो अलग-अलग टैंकों के साथ बनाया गया। एक में केरोसिन था और दूसरे में पानी। दोनों टैंकों में हवा का दबाव बनाने के लिए पंप लगे थे और पाइप के जरिए वे एक ही बर्नर से जुड़े थे। इसे शुरू करने के लिए केरोसिन की मदद से बर्नर को तब तक गर्म किया जाता है, जब तक वह लाल न हो जाए। इसके बाद बर्नर के गर्म होते ही केरोसिन रेगुलेटर को बंद कर पानी का रेगुलेटर खोल दिया जाता है। गर्म बर्नर पानी को भाप में बदल देता है और इससे चूल्हे की आंच तेज रहती है। इसके बाद जब आंच धीमी होने लगती है, तो पानी को बंद कर फिर से केरोलिन को चालू किया जाता है, ताकि बर्नर दोबारा गर्म हो सके। इस हाइब्रिड चूल्हे के प्रोटोटाइप को बनाने की कुल लागत करीब 600 रुपये आंकी गई थी। IIT गुवाहाटी ने इस तकनीक को ऑप्टिमाइज भी किया और पाया कि इससे 20% तक केरोसिन की बचत हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार व्यासजी के पिता देवसर तहलील में क्लर्क थे और परिवार की सालाना आय 60 हजार रुपये से भी कम थी। आर्थिक तंगी में उनकी बड़े भाई और बीसीए स्टूडेंट ने उन्हें टेक्निकल और आर्थिक मदद दी, जिसकी वजह से हाइब्रिड चूल्हा बन सका।

वायरल कंटेंट

एआई ट्रैफिक कैमरे का कारनामा, कार में हेलमेट न लगाने पर 500 का चालान

कर्नाटक के बेलगावी में एक अजीबोगरीब वाकया सामने आया है, जिसने ट्रैफिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। शहर में लगे नए एआई कैमरे ने गजब का खेल दिखाया है। चार पहिया कार दौड़ा रहे एक ड्राइवर को बिना हेलमेट चलने का चालान थमा दिया गया। अथानी शहर के रहने वाले सुभाष बोजाने अपनी कार से जा रहे थे। तभी उनके फोन पर बेलगावी पुलिस का व्हाट्सएप मैसेज आया। मैसेज देखते ही उनके होश उड़ गए, क्योंकि उन पर 500 रुपये का जुर्माना लगाया गया था। आरोप यह था कि वह बिना हेलमेट गाड़ी चला रहे थे। इस हास्यास्पद घटना ने एआई तकनीक की समझ पर गंभीर सवाल उठा दिए हैं। सिस्टम ने कार को सीधे बाइक मान लिया था।

अथानी के अंबेडकर सर्कल पर स्मार्ट मॉनिटरिंग के लिए हाईटेक एआई ट्रैफिक कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों का काम बिना मानवीय दखल के ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन पकड़ना है। सॉफ्टवेयर ने सुभाष की चार पहिया गाड़ी को गलत तरीके से स्कैन कर लिया। सिस्टम के एल्गोरिदम ने कार को दो पहिया वाहन की कैटेगरी में दर्ज कर दिया। इसके बाद कैमरे ने देखा कि ड्राइवर के सिर पर हेलमेट नहीं है। बस फिर क्या था, सिस्टम ने तुरंत 500 रुपये का चालान जनरेट कर दिया।

व्हाट्सएप पर चालान का मैसेज मिलते ही सुभाष सन्न रह गए। उन्होंने सिस्टम की इस गलती को सबके सामने लाने की ठानी। उन्होंने एक फुल-फेस मोटरसाइकिल हेलमेट निकाला और उसे पहन लिया। इसके बाद वह बड़े मजे से अपनी कार चलाने लगे। उन्होंने इसका बाकायदा एक वीडियो शूट किया और इंटरनेट पर डाल दिया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगले जुर्माने से बचने के लिए अब कार में भी हेलमेट पहनना पड़ेगा। यह वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गया। यह पूरा मामला अथानी पुलिस स्टेशन के इलाके का है। घटना सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। ड्राइवरों का कहना है कि जब सिस्टम सही और गलत में फर्क ही नहीं कर पा रहा, तो उस पर भरोसा कैसे किया जाए। एआई सिस्टम की इस तरह की गलतियां आम लोगों के लिए सिरदर्द बन रही हैं। लोगों ने मांग की है कि चालान भेजने से पहले किसी ट्रैफिक अधिकारी को डाटा मैनुअली चेक करना चाहिए। बिना जांच के सीधे जुर्माना भेजना सीधे तौर पर जनता की जेब पर डाका डालने जैसा है।

सात दिन जंगल की गश्त से छुट्टी, सतपुड़ा के हाथियों की होगी शाही खातिरदारी

गन्ना-मक्का से लेकर नारियल और मौसमी फलों की दावत, रोज होगी तेल मालिश, महावत-चाराकटर भी खेलों में दिखाएंगे दम

मंगेश यादव, नर्मदापुरम।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के छह हाथियों के लिए अगले सात दिन बेहद खास रहने वाले हैं। जंगल की कठिन गश्त और वन्यजीवों की निगरानी से उन्हें आराम देकर 14 से 20 सितंबर तक हाथी महोत्सव मनाया जा रहा है। इस दौरान हाथियों की सेहत, पोषण और देखभाल पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्हें गन्ना, मक्का, नारियल और मौसमी फल खिलाए जाएंगे, जबकि रोज नीम और अरंडी के तेल से मालिश भी की जाएगी।

महोत्सव की शुरुआत कामती परिक्षेत्र के खरेर कैंप में फील्ड डायरेक्टर राखी नंदा ने की। एसटीआर के उपसंचालक एवं जनसंपर्क अधिकारी आशीष खोबरागडे ने बताया कि महोत्सव के दौरान सभी हाथियों

का विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाएगा। उनकी लंबाई और ऊंचाई मापने के साथ जरूरत पड़ने पर दांतों की ट्रिमिंग भी की जाएगी। इसके लिए जबलपुर से वन्यजीव स्वास्थ्य एवं फॉरेंसिक विशेषज्ञों की सहायता ली जाएगी।

हाथियों के साथ उनकी देखभाल में जुटे महावत और चाराकटरों के लिए भी विशेष गतिविधियां आयोजित होंगी। उनके स्वास्थ्य परीक्षण के साथ खेल एवं मनोरंजक प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। समापन अवसर पर कबड्डी और रस्साकशी प्रतियोगिता होगी।

अधिकारियों के अनुसार महोत्सव का उद्देश्य केवल हाथियों को आराम और पौष्टिक आहार देना नहीं, बल्कि उनके शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर करना और महावत-चाराकटरों के साथ उनके भरोसे व आत्मीय संबंध को मजबूत करना भी है।

हाथियों के लिए खास खान-पान की व्यवस्था

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के छह हाथियों के लिए हाथी महोत्सव के सात दिन खास खान-पान के नाम रहेंगे। इस दौरान उनके नियमित आहार के साथ गन्ना, मक्का, नारियल और मौसमी फल दिए जाएंगे। जंगल में लगातार काम करने के कारण हाथियों पर पड़ने वाले शारीरिक दबाव को कम करने के लिए उन्हें नियमित गश्त से आराम दिया गया है। पौष्टिक आहार के साथ उनकी सेहत की लगातार निगरानी भी की जाएगी।

नाप-जोख से दांतों की ट्रिमिंग तक

हाथी महोत्सव के दौरान छह हाथियों का विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाएगा। विशेषज्ञ उनकी लंबाई और ऊंचाई की माप लेने के साथ शारीरिक स्वास्थ्य का परीक्षण करेंगे। जरूरत पड़ने पर दांतों की ट्रिमिंग भी की जाएगी। इसके लिए जबलपुर से वन्यजीव स्वास्थ्य एवं फॉरेंसिक विशेषज्ञों की मदद ली जाएगी। स्वास्थ्य परीक्षण का उद्देश्य हाथियों की मौजूदा शारीरिक स्थिति का आकलन करना और किसी संभावित समस्या की समय रहते पहचान करना है। सात दिन तक हाथियों की विशेष देखभाल के दौरान उनके खान-पान, आराम और स्वास्थ्य से जुड़े पहलुओं पर वन विभाग की टीम नजर रखेगी।

न्यूज विंडो

छह फीट के अजगर से मचा हड़कंप सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

तेंदूखेड़ा। रविवार देर रात करीब 9 बजे ग्राम धनेटा में भोले मरावी के कच्चे मकान के ऊपर छह फीट से अधिक लंबा अजगर दिखाई देने से हड़कंप मच गया। अजगर देखकर परिवार और

ग्रामीणों में डर का माहौल बन गया। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू शुरू किया। इसी दौरान ग्रामीण अमीर खान ने साहस और सूझबूझ दिखाते हुए वन विभाग की मौजूदगी में अजगर को काबू करने में मदद की। काफी सावधानी से उसका सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। बाद में वन विभाग ने अजगर को गांव से करीब दो किलोमीटर दूर जंगल में छोड़ दिया। ग्रामीणों के अनुसार, पास में मवेशी बंधे होने के कारण आशंका है कि अजगर शिकार की तलाश में गांव पहुंचा था। वन विभाग ने लोगों से अपील की कि बड़ा सर्प दिखाई देने पर उसके पास न जाएं और तत्काल विभाग को सूचना दें।

आवारा मवेशी ने सींग मारकर महिला को पटका, सिर में लगे आठ टांके

तेंदूखेड़ा। नगर की सड़कों पर घूम रहे आवारा मवेशी लगातार हादसों का कारण बन रहे हैं। रविवार को वार्ड क्रमांक 9 में 60 वर्षीय सुशीला बाई पति संतोष साहू मवेशियों के झुंड की चपेट में आकर घायल हो गईं। वे भागवत कथा सुनकर घर लौट रही थीं। खकरिया रोड पर अमित टेंट हाउस के सामने अचानक मवेशियों का झुंड दौड़ पड़ा। एक मवेशी ने सींग मारकर उन्हें सड़क किनारे फेंक दिया, जिससे वे लोहे के टपरे से जा टकराईं। सिर में गहरा घाव होने पर उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान आठ टांके लगाए गए। स्थानीय लोगों के अनुसार मंगलवार के साप्ताहिक बाजार में भी बड़ी संख्या में मवेशी पहुंचते हैं। वे दुकानों में घुसकर सामान बिखेरने के साथ लोगों को भी घायल कर देते हैं। विद्यानगर हाईस्कूल, बस स्टैंड, तारादेही चौराहा, दमोह रोड, जामुनखेड़ा रोड और खकरिया रोड सहित कई स्थानों पर मवेशियों का जमावड़ा रहता है। नागरिकों ने नगर परिषद से मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाकर समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है।

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक होंगे सेवा, स्वच्छता, जनकल्याण और नवाचार के कार्यक्रम

सेवा संकल्प से जन-जन तक पहुंचेगा संदेश, एक महीने चलेगा महाअभियान

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन और जनसेवा को जन-जन तक पहुंचाने तथा विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने के लिए 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाएगी। अभियान की जानकारी देने के लिए भाजपा कार्यालय में राज्यसभा सांसद माया नारोलिया की मुख्य मौजूदगी में प्रेस वार्ता आयोजित हुई।

माया नारोलिया ने बताया कि प्रधानमंत्री के जन्मदिवस 17 सितंबर को सेवा दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस दौरान रक्तदान शिविर सहित विभिन्न सेवा कार्यक्रम होंगे। प्रदेश के सभी बूथों पर शाम 7 बजे आशीर्वाद का दिया कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। 2 अक्टूबर को स्वच्छता अभियान चलेगा। अभियान में नमो सेवा-अनकही कहानियां के माध्यम से नुक्कड़ नाटक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सरकार की योजनाओं से आए बदलाव लोगों तक पहुंचाए जाएंगे। आंगन मिलन सेवा के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों और माताओं को पोषण, स्वास्थ्य तथा योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। प्रदेश के 11,404 शक्ति केंद्रों पर सेवा की कहानी कार्यक्रम के तहत योजनाओं से लाभान्वित नागरिकों की सफलता की कहानियां सामने लाई जाएंगी। वहीं 7 अक्टूबर को सेवा ज्योति कलश यात्रा के तहत पदयात्रा, साइकिल और बाइक रैलियां होंगी। सेवा सेतु अभियान के जरिए पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने, स्वास्थ्य शिविर लगाने और आवेदन प्रक्रिया में सहायता की जाएगी। युवाओं, विद्यार्थियों और नवाचार से जुड़े लोगों को जोड़कर विभिन्न कार्यक्रम भी होंगे।

जलेगा आशीर्वाद का दिया

अभियान की शुरुआत 17 सितंबर को सेवा दिवस के रूप में होगी। इस अवसर पर रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे। प्रदेश के सभी बूथों पर शाम 7 बजे आशीर्वाद का दिया कार्यक्रम होगा। इसके माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन और जनसेवा के प्रति आभार व्यक्त किया जाएगा। इसके बाद 2 अक्टूबर को प्रदेशभर में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा।

1,404 केंद्रों पर सामने आएंगी सेवा की कहानियां

अभियान के दौरान प्रदेश के सभी 11,404 शक्ति केंद्रों पर सेवा की कहानी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इनमें केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से लाभान्वित नागरिकों की वास्तविक सफलता की कहानियां सामने लाई जाएंगी। प्रत्येक शक्ति केंद्र से कम से कम 10 ऐसी कहानियां तैयार कर उन्हें सामाजिक माध्यमों पर साझा करने की योजना है। वहीं सेवा ज्योति कलश यात्रा-विकसित भारत का संकल्प के तहत 7 अक्टूबर को पदयात्रा, साइकिल और बाइक रैलियां होंगी।

राज्य सेवा परीक्षा में चयन से गांव में खुशी का माहौल, युवाओं के लिए बने प्रेरणा का स्रोत

अधिकारी बनकर पहली बार गांव पहुंचे उपेंद्र सिंह राजपूत ग्रामीणों ने किया स्वागत

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

राज्य सेवा परीक्षा में चयनित होकर अधिकारी बनने के बाद उपेंद्र सिंह राजपूत पहली बार अपने ग्राम बाडेर पहुंचे। गांव की धरती पर कदम रखते ही परिजनों, ग्रामीणों और शुभचिंतकों ने उनका आत्मीय स्वागत कर स्नेह और सम्मान जताया। ग्रामीणों ने तिलक लगाकर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

उपेंद्र सिंह राजपूत की सफलता से गांव में खुशी का माहौल रहा। ग्रामीणों ने कहा कि गांव के बेटे का राज्य सेवा परीक्षा में चयन पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। उनकी उपलब्धि ने गांव के युवाओं को भी मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है। स्वागत से अभिभूत उपेंद्र सिंह राजपूत ने कहा कि अपनी मिट्टी और अपनों का प्यार जीवन में हमेशा विशेष स्थान रखता है। गांववासियों से मिला स्नेह और आशीर्वाद उनके लिए हमेशा यादगार रहेगा। ग्रामीण परिवेश से निकलकर राज्य सेवा परीक्षा में सफलता हासिल करना उनकी मेहनत और लगन को दर्शाता है।

आसमान में दिखा नजारा, दूज के चांद के पास चमका 'तारा'

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

सोमवार शाम ढलते ही तेंदूखेड़ा के आसमान में कुदरत का बेहद खूबसूरत नजारा देखने को मिला। पश्चिमी क्षितिज पर दूज का बारीक चांद नजर आया, जिसके ठीक पास एक बेहद चमकीला पिंड दिखाई दे रहा था। चांद के करीब चमकती रोशनी इतनी स्पष्ट और आकर्षक थी कि लोगों में कौतूहल पैदा हो गया। लोग घरों की छतों और खुले स्थानों से इस नजारे को काफी देर तक निहारते रहे। कई लोगों ने इसकी तस्वीरें और वीडियो बनाकर सामाजिक माध्यमों पर भी साझा किए।

शिक्षक शोएब (खान मासाब) ने बताया कि आसमान में दिखाई दिया यह दृश्य कुदरत की खूबसूरती का अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि ऐसे नजारे लोगों को प्रकृति और आकाशीय घटनाओं को करीब से समझने का अवसर देते हैं। खगोलीय जानकारी के अनुसार, चांद के पास दिखाई देने वाला चमकीला पिंड वास्तव में तारा न होकर शुक्र या बृहस्पति जैसा चमकीला ग्रह हो सकता है। जब

चंद्रमा और कोई ग्रह आकाश में एक-दूसरे के बेहद करीब दिखाई देते हैं, तो इसे युति (कंजंक्शन) कहा जाता है। यह सामान्य खगोलीय घटना है, हालांकि हर बार इतनी स्पष्ट दिखाई नहीं देती। इस्लामिक संस्कृति में चांद और तारे की जोड़ी को भी विशेष महत्व दिया जाता है। रबी उल-थानी के नए चांद के साथ दिखे इस मनमोहक दृश्य को लोगों ने कुदरत की खूबसूरत निशानी माना और अमन-चैन व सलामती की दुआ की।

कुत्तों को बचाने के चक्कर में पलटा ई-रिक्शा, चालक घायल

तेंदूखेड़ा। दमोह मार्ग पर बम्हौरी के पास कुत्तों को बचाने के प्रयास में एक ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में 16 वर्षीय चालक गजेंद्र सिंह लोधी निवासी बम्हौरी घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार गजेंद्र किसी काम से बम्हौरी से तेंदूखेड़ा आ रहा था। इसी दौरान बम्हौरी के पास अचानक चार-पांच कुत्ते सड़क पर आ गए। उन्हें बचाने के प्रयास में चालक ने ई-रिक्शा मोड़ा, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चालक को चोटें आईं। उसे तत्काल स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। घटना में किसी अन्य व्यक्ति के घायल होने की जानकारी नहीं है।

मंडीदीप प्रीमियर लीग में लायन विंग्स मंडीदीप की शानदार जीत

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

मंडीदीप प्रीमियर लीग प्लास्टिक बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट में लायन विंग्स मंडीदीप ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आरिफ इलेवन भोपाल को 12 रन से हरा दिया। लायन विंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह ओवर में 117 रन का मजबूत लक्ष्य रखा। उत्तम शर्मा और मजहर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 80 रन की साझेदारी की। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरिफ इलेवन की टीम छह ओवर में 105 रन ही बना सकी।

लायन विंग्स की जीत में कप्तान गोलू मीणा की गेंदबाजी निर्णायक रही। उन्होंने चार विकेट लेकर सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल किया। अंतिम ओवर में अनस खान ने बेहतरीन गेंदबाजी कर टीम की जीत पक्की की। उत्तम शर्मा को सर्वश्रेष्ठ श्रृंखला, मजहर को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और भोपाल के अजीम लाला को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज चुना गया। अनस खान को टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ शॉट पुरस्कार मिला। वार्ड-5 के दर्शक समूह को सर्वश्रेष्ठ दर्शक का सम्मान दिया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में दर्शक और नगर के प्रमुख लोग मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर शराब-जुआ से दूर रहने की सलाह; भागवत कथा में भक्ति, सत्य, सदाचार और परोपकार का दिया संदेश

आज इंसान की कीमत आय से आंकी जा रही, मन की कीमत केवल मनमोहन जानते हैं

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर की गौशाला में अयोध्यावासी सोनी परिवार के तत्वावधान में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन कथा व्यास एवं गौ पीठाधीश्वर पंडित विपिन बिहारी दास ने श्रद्धालुओं को जीवन का सार समझाया। उन्होंने कहा कि मनुष्य का जन्म दुर्लभ है और इसे अच्छे कर्मों में लगाना चाहिए। मनुष्य को भगवान के नाम, भक्ति, परोपकार और सत्कर्म से जुड़कर जीवन को सार्थक बनाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आज के दौर में इंसान की कीमत उसकी आय से

आंकी जा रही है। दुनिया मन की कीमत नहीं जानती, मन की कीमत केवल मनमोहन जानते हैं। उन्होंने शराब और जुआ जैसी बुराइयों से दूर रहने के साथ गलत संगत से बचने की सलाह दी। कहा कि गलत संगति में व्यक्ति स्वयं डूबता है और दूसरों को भी गलत रास्ते पर ले जाता है।

पंडित विपिन बिहारी ने कहा कि लोग शुगर के डर से मिठाई, बीपी के डर से नमक और कोलेस्ट्रॉल के डर से तेल छोड़ देते हैं, लेकिन बेईमानी छोड़ने से नहीं डरते। जीवन में सत्य, सदाचार और परोपकार को अपनाना जरूरी है। कथा में पूतना वध, कालिया प्रसंग, गौसेवा, चीरहरण, कंस वध, जरासंध वध और भगवान के विवाह प्रसंग का वर्णन किया गया। उन्होंने दान करने और सत्कर्म अर्जित करने की प्रेरणा दी। कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। मंगलवार को सुदामा चरित्र का प्रसंग सुनाया जाएगा।

मुस्लिम समाज के लोगों ने पंडित विपिन बिहारी महाराज का किया सम्मान

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में सोमवार को हिंदू-मुस्लिम एकता और गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल देखने को मिली। मुस्लिम समाज के लोग आचार्य श्री विद्यासागर दयोदय पशु सेवा केंद्र पहुंचे और श्रीमद्भागवत कथा व्यास एवं गौ पीठाधीश्वर पंडित विपिन बिहारी महाराज से भेंट की। समाजजनों ने महाराज को शॉल और श्रीफल भेंट कर पुष्पमाला पहनाकर सम्मान किया और उनका आशीर्वाद लिया।

इस दौरान गौशाला परिसर में सामाजिक सौहार्द और भाईचारे का वातावरण रहा। डॉ. अजीज खान ने

कहा कि पंडित विपिन बिहारी महाराज के प्रवचनों से वे प्रभावित हैं। उनके संदेश में मानवता, सद्भाव, संस्कार और समाज को जोड़ने की भावना दिखाई देती है। इसी से प्रेरित होकर मुस्लिम समाज के लोग उनसे मिलने पहुंचे। उपस्थित लोगों ने धर्म से ऊपर मानवता, प्रेम और भाईचारे को महत्व देते हुए सामाजिक एकता मजबूत करने का संदेश दिया।

शहर में भारी पुलिस बल तैनात; पुरातत्व संरक्षित इमारत मंगलवार को पूरी तरह बंद

वराह मार्च से पहले धार में प्रशासन का सख्त पहरा, समिति के कई पदाधिकारी गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

वराह मार्च को लेकर धार में मंगलवार को प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने मार्च की अनुमति निरस्त कर दी, जबकि आयोजन से जुड़े पोस्टर और होर्डिंग्स भी हटवा दिए गए। मंगलवार सुबह पुलिस ने मार्च से जुड़े समिति के कई पदाधिकारियों को हिरासत में ले लिया।

सीएसपी शशांक सिंह गुर्जर के अनुसार शहर में शांति बनाए रखने के लिए लोगों से घरों में रहने की अपील की गई है। सुरक्षा व्यवस्था में दो दर्जन थाना प्रभारी, 10 एसडीओपी और डीएसपी स्तर के अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में पुलिस जवान तैनात किए गए हैं। प्रमुख चौराहों और पीजी कॉलेज मैदान पर पुलिस पिकेट लगाए गए हैं तथा मोबाइल वैन से लगातार गश्त की जा रही है।

तनाव की स्थिति को देखते हुए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने गंजीखाना स्थित पुरातत्व संरक्षित इमारत को मंगलवार को आमजन के लिए पूरी तरह बंद रखने का आदेश दिया। अनधिकृत प्रवेश या गतिविधि पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों, ऊंची इमारतों और ड्रोन से शहर की निगरानी की जा रही है। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त बल तैनात है। प्रशासन ने बाहरी लोगों से भी धार नहीं आने की अपील की है। दोपहर दो बजे प्रस्तावित मार्च के समय सुरक्षा और कड़ी रहेगी। पुलिस के अनुसार फिलहाल शहर में स्थिति सामान्य है।

एएसआई ने संरक्षित इमारत आमजन के लिए की बंद

तनाव की स्थिति को देखते हुए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने गंजीखाना स्थित पुरातत्व संरक्षित इमारत को मंगलवार को पूरी तरह बंद रखने का आदेश जारी किया। परिसर में सूचना चस्पा कर आमजन को प्रवेश नहीं करने की हिदायत दी गई है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 के तहत अनधिकृत प्रवेश या किसी भी गतिविधि पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। यह ऐतिहासिक स्थल हिंदू पक्ष में विजय मंदिर और मुस्लिम समाज में लाट मस्जिद के नाम से जाना जाता है। प्रशासन ने संरक्षित स्थल की सुरक्षा के लिए विशेष निगरानी व्यवस्था भी की है।

चप्पे-चप्पे पर पुलिस की निगरानी

वराह मार्च को लेकर धार में सुरक्षा व्यवस्था के तहत बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रमुख चौराहों, पीजी कॉलेज मैदान और संवेदनशील क्षेत्रों में फिक्स पुलिस पिकेट बनाए गए हैं। दो दर्जन थाना प्रभारी, 10 एसडीओपी और डीएसपी स्तर के अधिकारियों के साथ पुलिस जवानों को सुरक्षा में लगाया गया है। मोबाइल वैन लगातार शहर में गश्त कर रही हैं। सीसीटीवी कैमरों के साथ ऊंची इमारतों और ड्रोन से भी निगरानी की जा रही है। प्रशासन ने शहरवासियों से शांति बनाए रखने और अनावश्यक रूप से घरों से बाहर नहीं निकलने की अपील की है। बाहरी लोगों से भी धार नहीं आने को कहा गया है।

मार्च से पहले पदाधिकारी हिरासत में, पोस्टर-बैनर भी हटाए

प्रशासन की सख्ती के बीच मंगलवार सुबह पुलिस ने वराह मार्च से जुड़े समिति के कई पदाधिकारियों को हिरासत में लिया। पुलिस कार्रवाई के साथ ही शहर में मार्च से संबंधित लगाए गए पोस्टर, बैनर और प्रचार सामग्री भी हटवा दी गई। प्रशासन का कहना है कि किसी भी स्थिति में कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। संरक्षित इमारत को नुकसान पहुंचाने या अनधिकृत गतिविधि करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। भोजशाला से जुड़े मामलों के बाद वराह मार्च को लेकर संवेदनशील माहौल को देखते हुए पुलिस लगातार निगरानी कर रही है। दोपहर दो बजे प्रस्तावित मार्च के समय सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी रखी जाएगी।

छात्राओं के आरोपों के बाद प्रशासन की त्वरित कार्रवाई, मुख्यमंत्री ने कलेक्टर से ली जानकारी

सीएम हाउस तक पहुंचा डही छात्रावास का मामला, वार्डन को हटाया, पति की सेवा खत्म

धार। दोपहर मेट्रो

डही स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास में छात्राओं द्वारा वार्डन और उनके पति पर लगाए गए दुर्व्यवहार व प्रताड़ना के आरोपों के बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। मामला मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तक पहुंचने के बाद उन्होंने कलेक्टर राजीव रंजन मीना से घटना की जानकारी ली और दोषियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए।

इसके बाद जिला प्रशासन ने छात्रावास की वार्डन अनीता भिड़े को तत्काल प्रभाव से प्रभार से हटा दिया। उन्हें शासकीय आवास भी खाली करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं उनके पति एवं अतिथि शिक्षक सरदार सिंह पिपलाज की संलिप्तता और अनुशासनहीनता पाए जाने पर उनकी सेवाएं तत्काल समाप्त कर दी गईं। छात्रावास की व्यवस्था के लिए प्राथमिक शिक्षक लीला ओहरिया को नियमित व्यवस्था होने तक प्रभारी अधीक्षिका बनाया गया है। मामला तब सामने आया जब छात्रावास की करीब 60 से 70 छात्राएं रविवार देर रात थाने पहुंचीं। छात्राओं ने वार्डन के पति पर उन्हें घर ले जाकर घरेलू काम कराने और छात्रावास परिसर में अनुचित तरीके से आने-जाने के आरोप लगाए। वार्डन पर भी डांटने और अभद्र व्यवहार के आरोप लगाए गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारियों ने छात्रावास पहुंचकर छात्राओं से सीधे बातचीत की और भोजन, सुरक्षा तथा अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि बालिकाओं की सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और गरिमा सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

न्यूज विंडो

मंडीदीप : खिलाड़ी संजय राजपूत का सम्मान, जू. स्पर्धा में जीता रजत पदक

मंडीदीप। रायसेन जिले के मंडीदीप निवासी प्रतिभावान हॉकी खिलाड़ी संजय राजपूत ने हाल ही में तमिलनाडु के कोयंबटूर में आयोजित जूनियर हॉकी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया। उनका मंडीदीप में उनका सम्मान और स्वागत किया गया। भोपाल मंडल के वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने संजय राजपूत का गौरवपूर्ण स्वागत करते हुए कहा कि एक खिलाड़ी में प्रतिभा के साथ धैर्य, साहस और खेल भावना का होना जरूरी है। सौरभ कटारिया ने कहा कि वह स्वयं भी खिलाड़ी रहे हैं और खेल भावना तथा धैर्य के महत्व से भली-भांति परिचित हैं। इस अवसर पर मंडीदीप के मुख्य माल पर्यवेक्षक आशीष चंद्रवंशी, फारुकी साहब, राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी दीपांशु और नितेश प्रजापति सहित युवा खेल प्रेमी रिजवान अली मौजूद रहे।

सड़क के लिए फिर आंदोलन पर उतरीं लीला साहू, अनिश्चितकालीन धरना

सीधी। जिले के बगैहा टोला की बघेली इंटरनेट मीडिया चर्चित चेहरा लीला साहू एक बार फिर सड़क की मांग को लेकर आंदोलन पर बैठ गई हैं। उन्होंने ग्रामीणों के साथ टेंट लगाकर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू किया है। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक सड़क निर्माण का काम शुरू नहीं होता, आंदोलन जारी रहेगा।

आंदोलन को देखते हुए प्रशासन ने धरनास्थल पर पुलिस बल भी तैनात किया है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से सड़क की समस्या बनी हुई है, जिससे आवागमन में परेशानी होती है। अब सड़क निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने आर-पार के आंदोलन का ऐलान किया है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 में लीला साहू अपने अनूठे अंदाज और इंटरनेट मीडिया पर सक्रियता के चलते काफी चर्चा में आई थीं। उनके आंदोलन ने सरकार का भी ध्यान आकर्षित किया था। अब सड़क निर्माण की मांग को लेकर दोबारा धरने पर बैठने से वह एक बार फिर चर्चा में हैं।

दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में 3 घायल, मारपीट के मां ने लगाएं आरोप

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

जबलपुर मार्ग पर नरगुवा की घाटी में रविवार को दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में तीन लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। इनमें से दो घायलों को डायल-112 की मदद से तेंदूखेड़ा स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जबकि दूसरे बाइक सवार को उसके परिजन निजी वाहन से जबलपुर ले गए।

जानकारी के अनुसार, शरद पिता छोटे लाल गौड़ (22) और उनकी मां शिवरानी पति छोटे लाल गौड़ (55), निवासी बंधना-सैलवाड़ा, इलाज के बाद तेंदूखेड़ा से घर लौट रहे थे। इसी दौरान नरगुवा घाट पर सामने से आ रही बाइक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों घायल हो गए। घटना की सूचना डायल-112 को दी गई।

घायल मां-बेटे ने लगाया मारपीट का आरोप

स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे शरद और शिवरानी ने आरोप लगाया कि हादसे के बाद दूसरे बाइक सवार के परिजन कार से मौके पर पहुंचे और उनके साथ मारपीट की। उनका कहना है कि पुलिस के पहुंचने से पहले कार सवार लोग घायल बाइक सवार को लेकर जबलपुर चले गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने मामला जांच में लिया है।

दशलक्षण पर्व में परीक्षाओं पर रोक की मांग, सीएम-कलेक्टर को भेजा पत्र

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

दशलक्षण पर्युषण पर्व और गणेशोत्सव के दौरान विद्यार्थियों की परीक्षाएं नहीं कराने की मांग को लेकर जिला वैश्य महासम्मेलन ने सीएम डॉ. मोहन यादव, कलेक्टर को पत्र भेजा है। समाज ने 15 से 25 सितंबर 2026 तक शासकीय, अर्धशासकीय, निजी और कॉन्वेंट स्कूलों में किसी भी प्रकार की परीक्षा नहीं कराने की मांग की है। जिला अध्यक्ष विनोद जैन ने पत्र में कहा कि परीक्षा और पढ़ाई के दबाव के कारण विद्यार्थी धार्मिक, आध्यात्मिक और नैतिक संस्कारों से दूर हो रहे हैं। दशलक्षण पर्व के 11 दिन बच्चों को धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़ने का अवसर मिलता है। परीक्षा होने से विद्यार्थी पर्व के आयोजनों में पूरी तरह शामिल नहीं हो पाते। समाज ने निजी और कॉन्वेंट स्कूलों से प्रमुख धार्मिक पर्वों को ध्यान में रखकर परीक्षा कार्यक्रम तय करने की अपील की है।

इंदौर : होटलों में गंदगी का खुलासा वेज और नॉनवेज साथ रखे मिले

स्टोर रूम में घूमते मिले कॉकरोच, खाद्य सामग्री खुले में मिली, खाद्य विभाग ने दिए सुधार के निर्देश

इंदौर। दोपहर मेट्रो

खाद्य पदार्थों में मिलावट और स्वच्छता की जांच के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत खाद्य विभाग ने शहर की नामचीन होटलों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान कई होटलों में गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। एक होटल के स्टोर रूम में कॉकरोच घूमते मिले, जबकि वेज और नॉनवेज खाद्य सामग्री एक साथ रखी मिली।

जांच के दौरान कुछ प्रतिष्ठानों में पानी की जांच रिपोर्ट भी उपलब्ध नहीं मिली। वहीं कच्ची खाद्य सामग्री की पैकेजिंग पर आवश्यक लेबलिंग नहीं थी। तुरंत परोसे जाने वाले खाद्य पदार्थ भी खुले में रखे पाए गए। इन अनियमितताओं को देखते हुए खाद्य विभाग की टीम ने खाद्य सामग्री के नमूने लिए और होटल संचालकों को व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए।

गणेशोत्सव को देखते हुए खाद्य विभाग ने खजराना गणेश मंदिर परिसर में लगने वाली थोक और खुदरा दुकानों की भी जांच की। यहां लड्डू सहित अन्य खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए। विभाग का कहना है कि अभियान के तहत खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता की लगातार जांच की जा रही है।

कार्यालय सेनानी, 7वीं वाहिनी विसबल, भोपाल

ई-मेलः- co7bn_saf@mppolice.gov.in

क्रमांक-7वीं बटा/विसबल/साअ/1789 /2026 दिनांक 10/09/2026

:: खुली निविदा विज्ञप्ति सूचना ::

वित्तीय वर्ष 2026-27 में 7वीं वाहिनी विसबल भोपाल के प्रशासकीय भवन उप पुलिस महानिरीक्षक विसबल मध्य क्षेत्र कार्यालय में पेवर्स ब्लॉक निर्माण कराये जाने हेतु खुली निविदा www.mptenders.gov.in आमंत्रित की जाती हैः-

क्र.	कार्य विवरण	स्वीकृत राशि	धरोहर राशि रू0 (ईएमडी)	निविदा शुल्क रू0	कार्यावधि
1	उप पुलिस महानिरीक्षक विसबल मध्य क्षेत्र कार्यालय के पास पेवर्स ब्लॉक निर्माण का कार्य।	3,86,502.00	11,600.00	1000	30 दिवस (वर्षा ऋतु सहित)

खुली निविदा की शर्तेः- 01. उपरोक्त मरम्मत/निमार्ण कार्यो को म०प्र०पु०आ०अधो०वि०नि०भोपाल द्वारा तैयार किये गये प्राक्कलन अनुसार करना होगा। 02. खुली निविदा जारी करने की प्रारंभ तिथि- 15.09.2026। 03. खुली निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 05.10.2026। 04. तकनीकी खुली निविदा- 06.10.2026। 05. प्रथम तकनीकी निविदा विड खोली जायेगी दस्तावेज परीक्षण एवं सही पाये जाने पर वित्तीय निविदा खोली जावेगी।

सेनानी,
7 वीं वाहिनी विसबल भोपाल

G-18595/26

कार्यालय कार्यपालन यंत्री नया भोपाल संभाग, लोक निर्माण विभाग, भोपाल (म.प्र.)

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 14/व.ले.लि./निविदा/2026-27 भोपाल, दिनांक 09.09.2026

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	ठेके की अनु. राशि (रु.लाख में)	अमानत राशि
1	2026_PWDRB_534848_1	उपसंभाग जेल 3 लो.नि.वि. भोपाल अंतर्गत निर्माण भवन की आंतरिक एवं बाह्य पुताई कार्य।	प्रथम आमंत्रण	40.00	50000.00
2	2026_PWDRB_534849_1	उपसंभाग जेल 3 लो.नि.वि. भोपाल अंतर्गत निर्माण भवन में वार्षिक मरम्मत / विशेष मरम्मत / अनुरक्षण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	95.00	95000.00
3	2026_PWDRB_534850_1	उपसंभाग जेल-3 लो.नि.वि. भोपाल अंतर्गत गैर आवासीय भवनों में लघुमूल गौड़/ डिपाजिट कार्य।	प्रथम आमंत्रण	95.00	95000.00
4	2026_PWDRB_534849_1	उपसंभाग जेल-3 लो.नि.वि. भोपाल अंतर्गत आवासीय गृहों में वार्षिक मरम्मत/विशेष मरम्मत / अनुरक्षण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	90.00	90000.00
5	2026_PWDRB_534853_1	उपसंभाग जेल 3 लो.नि.वि. भोपाल अंतर्गत आवासीय भवनों में लघुमूल गौड़ कार्य।	प्रथम आमंत्रण	95.00	95000.00
6	2026_PWDRB_534856_1	उपसंभाग जेल 3 लो.नि.वि. भोपाल अंतर्गत 1100 आवास के आवासीय गृहों में वार्षिक मरम्मत / विशेष मरम्मत/अनुरक्षण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	85.00	85000.00
7	2026_PWDRB_534859_1	आर.टी.सी. उपसंभाग लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र. 15 के सी एवं डी टाईप शासकीय आवास गृहों में लघुमूल गौड/ए.आर./एस.आर./ अनुरक्षण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	59.00	59000.00
8	2026_PWDRB_534860_1	आर.टी.सी. उपसंभाग लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र. 15 के ई टाईप शासकीय आवास गृहों में लघुमूल गौड/ए.आर./एस.आर./अनुरक्षण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	60.00	60000.00
9	2026_PWDRB_534862_1	आर.टी.सी. उपसंभाग लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-16 के ई टाईप शासकीय आवास गृहों में लघुमूल गौड/ए.आर./एस.आर. / अनुरक्षण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	58.00	58000.00
10	2026_PWDRB_534864_1	आर.टी.सी. उपसंभाग लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-16 के एफ टाईप शासकीय आवास गृहों में लघुमूल गौड/ए.आर./एस.आर. / अनुरक्षण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	56.00	56000.00
11	2026_PWDRB_534865_1	आर.टी.सी. उपसंभाग लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-17 के ई टाईप शासकीय आवास गृहों में लघुमूल गौड/ए.आर./एस.आर./ अनुरक्षण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	60.00	60000.00
12	2026_PWDRB_534866_1	आर.टी.सी. उपसंभाग लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-17 के एफ टाईप शासकीय आवास गृहों में लघुमूल गौड/ए.आर./एस.आर./अनुरक्षण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	57.00	57000.00
13	2026_PWDRB_534867_1	आर.टी.सी. उपसंभाग लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-19 के ई टाईप शासकीय आवास गृहों में लघुमूल गौड/ए.आर./एस.आर./अनुरक्षण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	58.00	58000.00
14	2026_PWDRB_534868_1	आर.टी.सी. उपसंभाग लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-19 के एफ टाईप शासकीय आवास गृहों में लघुगूल गौड/ए.आर./एस.आर./अनुरक्षण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	57.60	57600.00
15	2026_PWDRB_534869_1	आर.टी.सी. उपसंभाग लो.नि.वि. शिवाजी नगर भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र. 15 के शासकीय आवास गृहों में आंतरिक पुताई एवं पेंटिंग का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	50.00	50000.00
16	2026_PWDRB_534870_1	आर.टी.सी. उपसंभाग लो.नि.वि. शिवाजी नगर भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र-16 के शासकीय आवास गृहों में आंतरिक पुताई एवं पेंटिंग का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	48.00	50000.00
17	2026_PWDRB_534871_1	आर.टी.सी. उपसंभाग लो.नि.वि. शिवाजी नगर भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-17 के शासकीय आवास गृहों में आंतरिक पुताई एवं पेंटिंग का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	49.00	50000.00
18	2026_PWDRB_534872_1	आर.टी.सी. उपसंभाग लो.नि.वि. शिवाजी नगर भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र-19 के शासकीय आवास गृहों में आंतरिक पुताई एवं पेंटिंग का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	47,00	50000.00
19	2026_PWDRB_534873_1	आर.टी.सी. उपसंभाग लो.नि.वि. शिवाजी नगर भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र-20 के शासकीय आवास गृहों में आंतरिक पुताई एवं पेंटिंग का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	45.00	50000.00
20	2026_PWDRB_534874_1	आर.टी.सी. उपसंभाग लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत महालक्ष्मी परिसर सेक्शन क्र.-20 के शासकीय आवास गृहों में आंतरिक पुताई एवं पेंटिंग का कार्य।	प्रथम आमंत्रण	46.00	50000.00
		योगः-		1250.60	

उपरोक्त वेबसाइट आनेंलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय एवं सबमिशन करने की अंतिम तिथि 28.09.2026 सायं 5.30 बजे निर्धारित है। निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन होने पर उसे उपरोक्त वेबसाईट पर देखा जा सकता है। विस्तृत एन.आई.टी.एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकता है।

G-18571/26 कार्यपालन यंत्री नया भोपाल संभाग लो.नि.वि. भोपाल

मेट्रो एंकर भूमि-रोजगार से जुड़े मामलों के निराकरण का भरोसा, कलेक्टर ने समिति गठन के दिए निर्देश

आदिवासी समाज की मांगों की होगी जांच, जिला स्तरीय समिति बनेगी

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

माखननगर और सेमरीहरचंद क्षेत्र के सर्व आदिवासी समाज के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को कलेक्टर सोमेश मिश्रा से मुलाकात कर भूमि उपलब्ध कराने सहित विभिन्न मांगों और समस्याओं से अवगत कराया। कलेक्टर ने प्रतिनिधियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित मामलों की जानकारी अधिकारियों से ली।

भूमि से जुड़े प्रकरणों सहित अन्य मांगों की जांच के लिए जिला स्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया गया। कलेक्टर ने अपर कलेक्टर राजेश शुक्ला को आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर जल्द समिति गठित करने के निर्देश दिए। समिति के माध्यम से विभिन्न मामलों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

प्रतिनिधिमंडल ने रोजगार से जुड़ी समस्याएं भी रखीं। इस पर कलेक्टर ने कहा कि पात्रता के आधार पर आदिवासी समाज के लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन आवश्यक प्रयास करेगा। उन्होंने कहा कि समुदाय की मांगों पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है।

कलेक्टर ने वन अधिनियम और शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप संबंधित मामलों में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण एस. थोटा, वनमंडलाधिकारी गौरव शर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पांचवें गेंदबाज से सैमसन तक फंसा मामला

अफगानिस्तान को पीटा: फिर भी टीम इंडिया में कमजोरियों ने बढ़ाई टेंशन!

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में टीम इंडिया ने सात विकेट से शानदार जीत दर्ज की। पहले गेंदबाजी करते हुए भारत ने अफगानिस्तान को आठ विकेट पर 156 रन के स्कोर तक सीमित रखा और फिर अभिषेक शर्मा की तूफानी पारी के दम पर लक्ष्य महज 13.4 ओवर में हासिल कर लिया। अभिषेक ने 32 गेंदों पर 82 रन बनाए। स्कोरकार्ड भारत के लिए पूरी तरह शानदार रहा, लेकिन मैच ने टीम की मौजूदा प्लेइंग-11 की कुछ कमियां भी सामने ला दीं। खासकर पांचवें गेंदबाज का विकल्प और शीर्ष क्रम में जगह को लेकर आने वाले मुकाबलों में टीम प्रबंधन के सामने चुनौती रहने वाली है। एशियाई खेलों से पहले भारत को इनमें सुधार करना होगा।

आइए पहले मजबूती जानते हैं...

मजबूती नंबर-1: चार मुख्य गेंदबाजों ने किया कमाल| भारत के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक बात उसके चार मुख्य गेंदबाजों का प्रदर्शन रहा। जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती ने मिलकर अफगानिस्तान के बल्लेबाजों को खुलकर हाथ खोलने का मौका नहीं दिया। इन चारों ने मिलकर 96 गेंदों में 57 डॉट गेंदें फेंकीं। यही भारत की गेंदबाजी की सबसे बड़ी ताकत रही। बुमराह ने वापसी करते हुए 1/26 का प्रदर्शन किया, जबकि अर्शदीप सिंह ने 3/19 लेकर अफगानिस्तान की कमर तोड़ दी।

मजबूती नंबर-2: भारत ने अफगानिस्तान के छक्के रोक दिए| टी20 क्रिकेट में बड़े शॉट रोकना मैच की दिशा तय कर सकता है और भारत के मुख्य गेंदबाज इस मामले में शानदार रहे। अफगानिस्तान की टीम ने 156 रन बनाए, लेकिन उसकी पारी में सिर्फ सात छक्के आए। बुमराह ने अपनी शॉर्ट ऑफ लेंथ गेंदों से बल्लेबाजों को बांधे रखा। वहीं अर्शदीप ने अलग रणनीति अपनाते हुए फुल लेंथ और यॉर्कर से विकेट निकाले। स्पिनरों ने भी बल्लेबाजों को हाथ खोलने से रोकने के लिए स्टंप पर लगातार हमला किया।

मजबूती नंबर-3: अभिषेक शर्मा का तूफान| भारत की जीत का सबसे बड़ा आकर्षण अभिषेक शर्मा रहे। उन्होंने सिर्फ 32 गेंदों में 82 रन ठोक दिए। उनकी पारी में सात चौके और सात छक्के शामिल रहे। अभिषेक ने जिस अंदाज में लक्ष्य का पीछा किया, उससे भारत को रन रेट की चिंता ही नहीं करनी पड़ी। उन्होंने शुरुआत से ही अफगानिस्तान के गेंदबाजों पर दबाव बना दिया और भारत ने 13.4 ओवर में मुकाबला खत्म कर दिया। यह प्रदर्शन बताता है कि भारत के पास पावरप्ले में मैच को एकतरफा करने की क्षमता मौजूद है।

मजबूती नंबर-4: लक्ष्य का पीछा करने की आक्रामक क्षमता| भारत की बल्लेबाजी का एक और मजबूत पक्ष यह रहा कि टीम ने 157 रन के लक्ष्य को बेहद तेजी से हासिल किया। अभिषेक के साथ बल्लेबाजी क्रम ने जोखिम लेने में हिचक नहीं दिखाई। टी20 में यही आक्रामक सोच भारत को विरोधी टीम से काफी आगे ले जा सकती है।

मजबूती नंबर-5: बुमराह की वापसी से बढ़ी गेंदबाजी की ताकत| करीब छह महीने बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में लौटे बुमराह ने तुरंत अपना प्रभाव दिखाया। उनकी वापसी से भारत के गेंदबाजी आक्रमण को अनुभव और विविधता दोनों मिली हैं। अगर बुमराह, अर्शदीप, अक्षर और वरुण इसी तरह प्रदर्शन करते रहे तो भारत का मुख्य गेंदबाजी आक्रमण किसी भी टी20 टीम के लिए मुश्किल पैदा कर सकता है।

अब चार कमजोरियां, जिन पर

कमजोरी नंबर-1: पांचवें गेंदबाज की समस्या फिर सामने आई| भारत की सबसे बड़ी चिंता एक बार फिर पांचवें गेंदबाज को लेकर सामने आई। नीतीश कुमार रेड्डी और शिवम दुबे ने मिलकर तीन ओवर डाले और इन ओवरों में कुल 51 रन खर्च हुए। यानी औसतन इकॉनमी रेट 17 रन प्रति ओवर रही। इसके मुकाबले बाकी चार मुख्य गेंदबाजों की संयुक्त इकॉनमी सिर्फ 6.56 रही। यही अंतर बताता है कि भारत के मुख्य गेंदबाज कितने प्रभावी थे और पांचवें गेंदबाज का विकल्प कितना कमजोर नजर आया।

कमजोरी नंबर-2: 43/5 के बाद अफगानिस्तान ने वापसी कर ली| एक समय अफगानिस्तान का स्कोर 43 रन पर पांच विकेट था। यहां भारत के पास उसे बेहद छोटे स्कोर पर रोकने का मौका था, लेकिन इसके बाद अजमतुल्लाह ओमरजई ने 64 रन की पारी खेलकर पारी को संभाल लिया और अफगानिस्तान 156/8 तक पहुंच गया। अगर भारत को बड़े टूर्नामेंटों में मजबूत टीमों से मुकाबला करना है तो ऐसी स्थिति में विरोधी टीम को वापसी का मौका नहीं देना होगा।

कमजोरी नंबर-3: आखिरी ओवर में 21 रन खर्च| शिवम दुबे को पारी का 20वां ओवर करना पड़ा और उसमें 21 रन चले गए। अजमतुल्लाह ओमरजई और मुजीब उर रहमान ने इस ओवर में दो छक्के और दो चौके लगाए। कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी माना कि उस समय दुबे के लिए स्थिति आसान नहीं थी, क्योंकि उन्हें पुरानी गेंद से सेट बल्लेबाजों के सामने गेंदबाजी करनी पड़ी। लेकिन यही भूमिका भारत को आगे भी निभानी होगी। इसलिए पांचवें गेंदबाज की समस्या को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

कमजोरी नंबर-4: संजू सैमसन फिर नहीं कर पाए प्रभावित| भारत की बल्लेबाजी में सबसे बड़ा सवाल संजू सैमसन को लेकर उठा। वैभव सूर्यवंशी को बाहर रखकर अनुभवी सैमसन को अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने का मौका मिला, लेकिन सैमसन सिर्फ 10 रन बनाकर आउट हो गए। एक मैच के आधार पर किसी खिलाड़ी पर फैसला देना जल्दबाजी होगी, लेकिन वैभव सूर्यवंशी जैसे युवा खिलाड़ी के लगातार चर्चा में रहने के कारण सैमसन के लिए हर मौका महत्वपूर्ण होता जा रहा है। अभिषेक शर्मा शानदार फॉर्म में हैं। दूसरी तरफ वैभव सूर्यवंशी लगातार चर्चा में बने हुए हैं और ईशान किशन भी विकेटकीपर-बल्लेबाज के विकल्प के रूप में मौजूद हैं। ऐसे में सैमसन के लिए अपनी जगह पक्की रखना आसान नहीं होगा। वैभव ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अभी सीमित मौके ही पाए हैं, इसलिए एक मैच के बाद उन्हें सैमसन से आगे रखना जल्दबाजी होगी।

पांचवें गेंदबाज पर फैसला सबसे अहम

भारत के लिए आगे सबसे बड़ा सवाल यही रहेगा कि हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में पांचवें गेंदबाज के चार ओवर कैसे पूरे किए जाएं। अगर नीतीश और दुबे गेंद से भरोसा नहीं दिला पाते हैं तो टीम प्रबंधन वॉशिंगटन सुंदर जैसे विकल्प पर विचार कर सकता है। हालांकि इसके लिए टीम को बल्लेबाजी और गेंदबाजी के संतुलन पर भी फैसला लेना होगा।

जीत बड़ी है, लेकिन तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं

अफगानिस्तान के खिलाफ सात विकेट की जीत भारत के लिए शानदार शुरुआत है। अभिषेक शर्मा का तूफान और चार मुख्य गेंदबाजों का प्रदर्शन टीम की सबसे बड़ी ताकत रहा, लेकिन इस जीत के बीच पांचवें गेंदबाज की समस्या फिर सामने आई। नीतीश और दुबे की गेंदबाजी में सुधार जरूरी होगा। वहीं संजू सैमसन के लिए भी आगे आने वाले मुकाबले बेहद महत्वपूर्ण होंगे, क्योंकि वैभव सूर्यवंशी और ईशान किशन जैसे विकल्प टीम में मौजूद हैं। यानी दिल्ली में भारत ने मैच तो आसानी से जीत लिया, लेकिन आने वाले बड़े मुकाबलों से पहले पांचवें गेंदबाज और शीर्ष क्रम का संतुलन अभी भी टीम इंडिया की सबसे बड़ी पहेली बना हुआ है।

एशिया कप ट्रॉफी पर बड़ा सवाल

मोहसिन नकवी ही क्यों? श्रीलंका के 2022 और 2024 के खिताब बने सबूत

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने मैदान पर श्रीलंका को धूल चटाकर एशिया की बादशाहत तो हासिल कर ली, लेकिन खिताब जीतने के बाद शुरू हुआ ट्रॉफी विवाद एक बार फिर सुर्खियों में आ गया। 13 सितंबर को खेले गए महिला एशिया कप के फाइनल में भारत ने श्रीलंका को 72 रन से हराकर रिकॉर्ड आठवीं बार खिताब अपने नाम किया। जीत के बाद जब पुरस्कार वितरण की बारी आई तो भारतीय टीम ने एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के हाथों ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया।

मोहसिन नकवी विजेता टीम को ट्रॉफी सौंपने के लिए मंच पर मौजूद थे, लेकिन भारतीय खिलाड़ी पुरस्कार समारोह में ही नहीं पहुंचीं। श्रीलंका की टीम को उपविजेता का पुरस्कार दिया गया, जबकि भारतीय टीम को न तो विजेता ट्रॉफी मिली और न ही पदक सौंपे जा सके। इस घटनाक्रम ने पिछले साल के पुरुष एशिया कप के दौरान सामने आए विवाद की यादें भी ताजा कर दीं। तब भी भारतीय टीम ने मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार किया था।

सवाल- क्या ट्रॉफी देने के लिए अध्यक्ष का होना जरूरी?

इस पूरे विवाद के बीच एशिया कप के पुराने रिकॉर्ड पर नजर डालें तो तस्वीर कुछ अलग दिखाई देती है। इतिहास में ऐसे कई मौके रहे हैं, जब एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष के बजाय संबंधित क्रिकेट बोर्ड के पदाधिकारी ने विजेता टीम को ट्रॉफी सौंपी। 2022 में श्रीलंका की पुरुष टीम ने एशिया कप जीता था। उस समय श्रीलंका क्रिकेट के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की थी। उस समय एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष जय शाह थे। भारतीय महिला टीम के मुख्य प्रशिक्षक अमोल मजूमदार ने स्पष्ट किया कि ट्रॉफी से जुड़ा फैसला भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड का था और टीम उसके साथ पूरी तरह खड़ी है। उनका कहना था कि भारतीय टीम ने मैदान पर अपना काम पूरा कर दिया है और वह एशिया की विजेता है। इस पूरे घटनाक्रम ने अब भविष्य की पुरस्कार वितरण व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

2024 में भी दिखा था यही तरीका

2024 के महिला एशिया कप में भी यही व्यवस्था देखने को मिली थी। श्रीलंका की महिला टीम ने खिताब जीता था और तब भी शम्मी सिल्वा ने ही विजेता टीम को ट्रॉफी सौंपी थी। उस समय भी जय शाह एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष थे। यानी पुराने उदाहरण यह बताते हैं कि एशिया कप की विजेता टीम को ट्रॉफी सौंपने के लिए परिषद के अध्यक्ष का ही मंच पर मौजूद होना कोई अनिवार्य परंपरा नहीं रही है। ऐसे में मौजूदा विवाद ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर विजेता टीम और पुरस्कार देने वाले अधिकारी के बीच सहमति का रास्ता क्यों नहीं निकाला गया।

लगातार दूसरे साल भारतीय टीम का रुख

2025 के पुरुष एशिया कप के फाइनल में भी भारत ने पाकिस्तान को हराकर खिताब जीता था। उस समय भी भारतीय टीम ने मोहसिन नकवी के हाथों ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। पुरस्कार वितरण को लेकर पैदा हुए विवाद के कारण भारतीय खिलाड़ियों को विजेता ट्रॉफी नहीं मिल सकी थी। अब एक साल बाद महिला टीम ने भी इसी तरह का रुख अपनाया है। यानी लगातार दूसरे वर्ष एशिया कप जीतने के बाद भारतीय टीम और मोहसिन नकवी के बीच ट्रॉफी को लेकर विवाद सामने आया

भारत बनाम अफगानिस्तान: चोटिल वरुण चक्रवर्ती पूरी सीरीज से बाहर

नई दिल्ली। भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ रविवार को खेले गए पहले टी20 मैच को जीतकर सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। अगला मुकाबला आज खेला जाना है, जिससे पहले टीम इंडिया को झटका लगा है। रिस्ट-स्पिनर वरुण चक्रवर्ती चोट के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनके जापान में होने वाले आगामी एशियन गेम्स में खेलने पर भी संदेह पैदा हो गया है। 35 वर्षीय चक्रवर्ती को यह चोट सीरीज के पहले मैच के दौरान लगी थी, जिसे भारत ने सात विकेट से अपने नाम किया। उस मैच में उन्होंने चक्रवर्ती ने चार ओवरों में 16 रन देकर 1 विकेट हासिल किया था। एक सूत्र ने बताया कि वरुण अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से बाहर हो गए हैं। स्कैन से साइड स्ट्रेन की पुष्टि हुई है। अब यह देखना बाकी है कि उन्हें सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में कब रिपोर्ट करने के लिए कहा जाता है।चक्रवर्ती इंग्लैंड दौरे के दौरान लगी हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरने के बाद भारतीय टीम में वापसी कर रहे थे। इस चोट के कारण उन्हें जुलाई में जिम्बाब्वे के टी20 दौरे से बाहर रहना पड़ा था। ससे पहले, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के दौरान कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलते हुए उनके बाएं पैर में हेयरलाइन फ्रैक्चर हुआ था।

कुश्ती ट्रायल-काजल-नीलम -सिमरन जीतीं

नीशू ने ट्रायल जीता, फाइनल में अंतिम पंघाल से होगी भिड़ंत

नई दिल्ली , एजेंसी

प्रतिभाशाली पहलवान नीशू ने सीनियर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के लिए आयोजित राष्ट्रीय चयन ट्रायल में 53 किग्रा वर्ग में जीत हासिल कर एशियाई खेलों के लिए चुनी गई अंतिम पंघाल के खिलाफ फाइनल मुकाबला तय किया। नीशू ने इंदिरा गांधी स्टेडियम में बेहद कड़े मुकाबले में थिश्का को हराकर 53 किग्रा वर्ग में जीत दर्ज की। नीशू और अंतिम पंघाल के बीच होने वाला फाइनल ट्रायल यह तय करेगा कि 24 अक्तूबर से एक नवंबर तक कजाखस्तान के अस्ताना में होने वाली सीनियर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में 53 किग्रा वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व कौन करेगा।

बाद में होगा अंतिम ट्रायल- भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की चयन नीति के तहत सोमवार के ट्रायल में जीतने वाले पहलवानों को एशियाई खेलों के लिए चुने गए पहलवानों को सीनियर विश्व चैंपियनशिप में जगह बनाने के लिए अंतिम ट्रायल में चुनौती देने का मौका मिलेगा। यह अंतिम ट्रायल बाद में आयोजित किया जाएगा। चार गैर-ओलंपिक भार वर्गों के ट्रायल भी बाद में आयोजित किए जाएंगे।

काजल का शानदार प्रदर्शन जारी

दो बार की अंडर-20 विश्व चैंपियन काजल ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 76 किग्रा वर्ग के फाइनल में शिक्षा को हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया। सिमरन ने संयमित प्रदर्शन करते हुए स्वाति शिंदे को कड़े मुकाबले में हराकर 57 किग्रा वर्ग में शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं, 50 किग्रा वर्ग के फाइनल में नीलम ने अंकुश को हराकर पहला स्थान हासिल किया। अन्य भार वर्गों में तपस्या ने 62 किग्रा वर्ग में अंजलि को हराकर जीत दर्ज की जबकि सृष्टि ने 68 किग्रा वर्ग में बिपाशा को मात दी। डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा, आज हुए मुकाबलों का स्तर और इनमें हुई प्रतिस्पर्धा उत्साहजनक रही।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

प्रियंका के घर छाया फुटबॉल का जुनून, बोलीं- अगले 4 महीने हर रविवार ऐसा ही रहेगा माहौल!

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनस सोशल मीडिया पर अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ निजी जिंदगी की झलकियां भी फैंस के साथ साझा करती रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने पति और सिंगर निक जोनस के साथ घर पर बिताए एक मजेदार पल की तस्वीर साझा की। प्रियंका ने फुटबॉल सीजन की वापसी को लेकर ऐसा पोस्ट किया, जिसने फैंस का ध्यान खींच लिया।

प्रियंका ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक मजेदार पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि फुटबॉल सीजन शुरू होने के बाद अगले चार महीनों तक उनके घर में हर रविवार का माहौल कुछ अलग ही रहने वाला है। अभिनेत्री ने खुशी जाहिर करते हुए लिखा कि फुटबॉल की वापसी से वह काफी उत्साहित हैं। प्रियंका के इस अंदाज पर निक जोनस भी खुद को रोक नहीं पाए। उन्होंने पोस्ट पर हंसने वाले इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। कपल की यह हल्की-फुल्की नोकझोंक और घरेलू अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है।

प्रियंका के पोस्ट में रविवार और चार महीनों की अवधि का जिक्र होने से माना जा रहा है कि वह अमेरिकन फुटबॉल और एनएफएल के सीजन की बात कर रही हैं। 2026 का एनएफएल रेगुलर सीजन सितंबर में शुरू हुआ है और जनवरी 2027 तक चलने वाला है। ऐसे में प्रियंका के घर रविवार का दिन फुटबॉल के नाम रहने वाला है। प्रियंका अक्सर सोशल मीडिया के जरिए अपनी फैमिली लाइफ की प्यारी तस्वीरें फैंस के साथ साझा करती हैं। कुछ समय पहले उन्होंने बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस के साथ एक खास तस्वीर पोस्ट की थी। इसमें मां-बेटी एक जैसे चेरी-प्रिंट आउटफिट में नजर आई थीं। प्रियंका ने अपनी बेटी को अपनी मिनी मी बताते हुए प्यार जाहिर किया था।

भारत और अमेरिका के बीच संभाल रहीं काम

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपने इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स के साथ भारतीय सिनेमा में भी सक्रिय हैं। अभिनेत्री अपने काम के सिलसिले में अमेरिका और भारत के बीच लगातार यात्रा कर रही हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका चोपड़ा निर्देशक एस.एस. राजामौली की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वाराणसी' का हिस्सा हैं। फिल्म में उनके साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन नजर आएंगे। प्रियंका इस समय हैदराबाद में फिल्म की शूटिंग कर रही हैं। 'वाराणसी' के जरिए प्रियंका लंबे अंतराल के बाद हिंदी सिनेमा में वापसी करेंगी। उनकी पिछली हिंदी फिल्म 'द स्काई इज पिंक' 2019 में रिलीज हुई थी। राजामौली के निर्देशन में बनी यह फिल्म 7 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

बप्पा के आशीर्वाद से शुरू हुआ रामायण का म्यूजिकल सफर, रिलीज हुआ गीत जय जय राम

निर्देशक नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित पौराणिक गाथा रामायण-पार्ट 1 का गीत जय जय राम मेकर्स ने गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर रिलीज कर दिया है। यह गीत एक तरह की आरती है, जो स्पिरिचुअल एसेंस को एक सिनेमाई गाने के इमोशन के साथ मिलाता है।

भगवान गणेश के आशीर्वाद के साथ फिल्म के म्यूजिकल सफर की शुरुआत हो गई है। श्री राम की आत्मा से भरी प्रार्थना है जय जय राम - यह गाना आरती की भक्ति और फिल्मी गाने की खूबसूरती को एक साथ जोड़ता है। इसके बोल श्री राम की करुणा, रक्षा और धर्म के प्रति निष्ठा को दर्शाते हैं, जबकि बार-बार दोहराया जाने वाला जय जय राम इस गाने को भक्तिमय बनाता है।

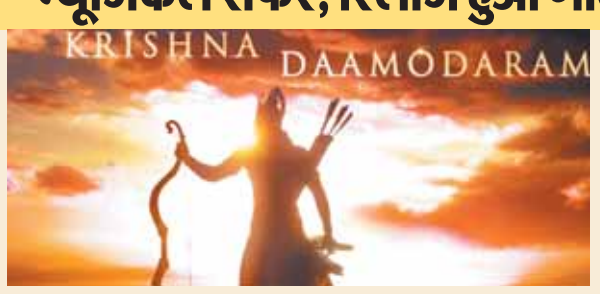

गीत जय जय राम रामायण का पहला म्यूजिकल सफर है, जो प्रभु श्री राम को समर्पित है। ए.आर. रहमान द्वारा कंपोज किया गया, डॉ. कुमार विश्वास द्वारा लिखा गया और अरिजीत सिंह व श्रेया घोषाल द्वारा गाया गया जय जय राम आरती की आध्यात्मिकता और सिनेमाई गाने के जज्बात का संगम है। यह गाना रामायण के ट्रेलर को मिले ग्लोबल रिस्पॉन्स के बाद आया है, जिसने छह दिनों में सभी प्लेटफॉर्म पर एक बिलियन डिजिटल व्यूज पार कर लिए हैं। नितेश तिवारी के डायरेक्शन में बनी रामायण में रणबीर कपूर श्री राम, साईं पल्लवी सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के रोल में हैं। नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज ने आठ बार के एकेडमी अवॉर्ड विनिंग डीएनईजी और यश के मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के साथ मिलकर इसे प्रोड्यूस किया है और सोनी पिक्चर्स ने इसे दुनिया भर में (भारत को छोड़कर) डिस्ट्रीब्यूट किया है।

मेट्रो बाजार

2,000 रुपए तक के यूपीआई भुगतान पर कोई शुल्क नहीं लगेगा: सरकार का ऐलान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया कि 2,000 रुपए तक के यूपीआई लेनदेन पर बैंक किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लगा सकेंगे। इसी तरह, रुपे डेबिट कार्ड के जरिए 2,000 रुपए तक किए गए भुगतान पर भी कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी राजपत्र (गजट) अधिसूचना के अनुसार, रुपे डेबिट कार्ड और 2,000 रुपए तक के यूपीआई लेनदेन को आधिकारिक रूप से इलेक्ट्रॉनिक भुगतान माध्यम के रूप में अधिसूचित किया गया है। अधिसूचना में कहा गया है कि कोई भी बैंक या भुगतान प्रणाली संचालक इन माध्यमों से भुगतान करने या प्राप्त करने वाले व्यक्ति से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी प्रकार का शुल्क नहीं वसूल सकता। सरकार ने यह फैसला पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 के तहत अधिकारों का उपयोग करते हुए लिया है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य यूपीआई लेनदेन पर लगने वाले संभावित शुल्कों को लेकर बनी भ्रम की स्थिति को दूर करना है। पिछले महीने भी केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया था कि आम उपभोक्ताओं के लिए यूपीआई के माध्यम से किए जाने वाले व्यक्ति-से-व्यक्ति (पी2पी) भुगतान पूरी तरह मुफ्त रहेंगे। सरकार ने कहा था कि व्यापारियों (मर्चेंट्स) पर भी कोई व्यापक रूप से लागू होने वाला मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) नहीं लगाया जाएगा।

एआई तभी सार्थक है जब वह मानवता की मदद करे और इंसानों के नियंत्रण में रहे: सत्य नडेला

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के तेजी से विकास और उसके संभावित प्रभावों पर जारी वैश्विक बहस के बीच माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सत्य नडेला ने कहा है कि उन्नत एआई या तथाकथित सुपरइंटेलिजेंस का विकास तभी उचित है जब वह मानवता के हित में काम करे और उस पर मनुष्यों का नियंत्रण बना रहे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने विचार साझा करते हुए नडेला ने कहा कि सुपरइंटेलिजेंस की दिशा में कोई भी प्रयास एक मूलभूत सिद्धांत पर आधारित होना चाहिए।

उन्होंने कहा, यदि हम जो एआई बना रहे हैं वह मानवता की मदद नहीं कर रहा है और मानव नियंत्रण में नहीं है, तो इसे आगे बढ़ाने का कोई मतलब नहीं है।÷ उन्होंने कहा कि कंपनियों को अपने विशिष्ट ज्ञान और अनुभव पर नियंत्रण बनाए रखने में सक्षम होना चाहिए तथा ऐसे निरंतर सीखने वाले तंत्र विकसित करने चाहिए जो उन्हें किसी एक एआई प्रदाता पर पूरी तरह निर्भर न बना दें। नडेला का यह बयान ऐसे समय आया है जब दुनिया की कई प्रमुख तकनीकी कंपनियों और एआई विशेषज्ञों ने अत्यधिक शक्तिशाली एआई मॉडलों के विकास की गति को लेकर सावधानी बरतने की आवश्यकता पर जोर दिया है। उन्होंने कहा, एआई के लाभों को तेजी से दुनिया भर में फैलाया जाना चाहिए ताकि विभिन्न देशों, समुदायों और कंपनियों को इसका फायदा मिल सके। इसके लिए ऐसा एआई पारिस्थितिकी तंत्र आवश्यक है जिसमें ओपन-सोर्स और क्लोज्ड-सोर्स दोनों प्रकार के मॉडल एक साथ विकसित हो सकें और प्रतिस्पर्धी माहौल में आगे बढ़ सकें। सत्य नडेला ने एआई विकास में विचारपूर्ण गति और गहन अनुसंधान का समर्थन करते हुए कहा कि तकनीक को उचित दिशा में बनाए रखने के लिए शुरुआत से ही उसके डिजाइन में सुरक्षा और सामंजस्य को शामिल करना जरूरी है।

मुरादाबाद में भीषण आग लोग घर छोड़कर भागे

लखनऊ। एजेंसी

प्रदेश के मुरादाबाद में भीषण लगने से हड़कंप मचा गया। यह आग एक लकड़ी की फैक्ट्री में लगी। देखते ही देखते आग ने इतना विकराल रूप धारण किया कि पूरी फैक्ट्री धू-धूकर जल गई। इस विकराल आग को बुझाने के लिए दमकल विभाग की 10 गाड़ियां जुटी हुई हैं। इतना ही नहीं आग का मंजर देख रामपुर से भी दमकल की गाड़ियां मंगानी पड़ी।आग इतनी भयानक था कि 20 फीट ऊंची लपटें उठती रहीं। इतना ही नहीं 2 किलोमीटर दूर से धुएं का गुबार दिखाई दिया। धुआं इतना ज्यादा था कि ऐसा लग रहा था जैसे कोहरा छा गया हो। मुरादाबाद पुलिस का कहना है कि आग किस वजह से लगी यह पता नहीं चल पाया है। लेकिन फैक्ट्री में भारी मात्रा में थिनर, पेंट, केमिकल और सूखी लकड़ी का स्टॉक रखा था। इस वजह से आग तेजी से फैली है।

न्यूज विंडो

देश के सबसे बड़े कोकीन तस्कर बसोया के बाद बेटा ऋषभ धराया

नई दिल्ली. एजेंसी। देश के सबसे बड़े और अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्कर वीरेंद्र सिंह बसोया के बेटे ऋषभ बसोया को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आईजीआई एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया है। सेल की सूचना पर उसे अबुधाबी में पकड़ा गया। उसे आज सुबह आईजीआई एयरपोर्ट पर लाया गया। यहां सेल की टीम ने गिरफ्तार किया। आज दोपहर बाद उसे पटियाला हाउस कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। एक माह पहले वीरेंद्र बसोया को अबू धाबी में हिरासत में लिया गया था। इसके बाद दिल्ली भेजने पर एनसीबी की मुंबई जोन ने गिरफ्तार किया था। मुंबई एनसीबी से दस दिन पहले स्पेशल सेल ने भी अपने केस में पूछताछ के लिए दिल्ली लाया था। पूछताछ के बाद चार दिन पहले उसे तिहाड़ जेल भेज दिया गया।

कर्नाटक: फ्रिज में ब्लास्ट के बाद घर में लगी आग, 4 की मौत

बेलगावी(कर्नाटक). एजेंसी। कर्नाटक के बेलगावी के चवत गली में सोमवार देर रात एक घर में रेफ्रिजरेटर फट गया। हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा सोमवार देर रात का बताया जा रहा है। पुलिस की शुरुआती जांच के अनुसार, रेफ्रिजरेटर फटने के बाद आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे घर को अपने आगोश में ले लिया। आग इतनी तेज थी कि घर के लोगों को बाहर निकलने का भी मौका नहीं मिला। हादसे में 65 वर्षीय गजानन धामोने, 21 वर्षीय रोशन धामोने, 45 वर्षीय शारदा धामोने और 50 वर्षीय भारती धामोने की मौत हो गई। वहीं, 28 वर्षीय प्रिया धामोने और 25 वर्षीय गंगा धामोने गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं, और उनका इलाज जारी है।

कटिहार में 50 क्विंटल प्रतिबंधित चाइनीज थाई मांगुर मछली जब्त

कटिहार (बिहार). एजेंसी। बिहार के कटिहार जिले में प्रतिबंधित चाइनीज थाई मांगुर मछली के कारोबार के खिलाफ मत्स्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने रौतारा टोल प्लाजा के पास दो ट्रकों से करीब 50 क्विंटल प्रतिबंधित मछली जब्त की है। इस कार्रवाई के दौरान तीन कारोबारियों को डिटेन किया गया है। मामला सामने आने के बाद अब विभाग पूरे नेटवर्क की जांच में जुट गया है। जिला मत्स्य पदाधिकारी सनत सिंह ने कार्रवाई की पुष्टि की है। डिटेन किए गए कारोबारी की पहचान अभिजीत सरकार, मो. कलीम और मो. अब्दुल्ला के रूप में हुई है। विभाग की टीम तीनों से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इतनी बड़ी खेप कहां पहुंचाई जाने थी और इसके पीछे कौन-कौन है।

अरनिया में जम्मू पुलिस ने 6 लोगों को पकड़ा, तीन पिस्तौल और छह कारतूस बरामद

नाबालिग बने पाकिस्तान की साजिश का मोहरा, गैंगस्टरों से जुड़ा नेटवर्क बेनकाब

जम्मू. एजेंसी। सीमा पर घुसपैठ की कोशिशों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी होने के बाद पाकिस्तान समर्थित नेटवर्क ने जम्मू-कश्मीर में हथियार पहुंचाने के लिए नया तरीका अपनाने की कोशिश की है। जम्मू पुलिस ने अरनिया सेक्टर में कार्रवाई कर छह लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें तीन नाबालिग भी शामिल हैं। आरोपियों के कब्जे से तीन पिस्तौल और छह जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि नाबालिगों का इस्तेमाल हथियार एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने के लिए किया जा रहा था। उनकी उम्र और पहचान का फायदा उठाकर सुरक्षा एजेंसियों से बचने की कोशिश की जा रही थी। अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि नाबालिगों को इस नेटवर्क में किसने शामिल किया।

जेल में बंद गैंगस्टरों से भी जुड़े तार

जांच में नेटवर्क के तार जेल में बंद कुछ गैंगस्टरों से जुड़े होने की बात सामने आई है। एजेंसियां उनकी भूमिका और बाहरी संपर्कों की पड़ताल कर रही हैं। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि बरामद हथियार सीमा पार से ड्रोन के जरिए तो नहीं पहुंचाए गए थे। एजेंसियों को आशंका है कि पाकिस्तान में बैठे संचालक स्थानीय अपराधियों और गैंगस्टरों के जरिए जम्मू-कश्मीर में अपना नेटवर्क खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। बरामद हथियारों को आगे कश्मीर पहुंचाया जाना था। अब जांच का दायरा इस बात तक बढ़ गया है कि हथियार कहां से आए, इन्हें किसने पहुंचाया और कश्मीर में इनका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाना था। एजेंसियां नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और पाकिस्तान में बैठे संचालकों की भूमिका का भी पता लगा रही हैं।

राष्ट्रीय इंजीनियर दिवस

हमारे इंजीनियर सपनों को हकीकत में बदलते हैं : मोदी

नई दिल्ली. एजेंसी

राष्ट्रीय इंजीनियर दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महान इंजीनियर और राजनेता भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने देशभर के इंजीनियरों को शुभकामनाएं देते हुए बेहतर भविष्य के निर्माण, नए आविष्कार और समस्याओं के समाधान में उनके योगदान की सराहना की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इंजीनियर केवल मशीनें नहीं बनाते, बल्कि वे ऐसे कर्मयोगी हैं, जो सपनों और विचारों को वास्तविक उपलब्धियों में बदलते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में अनेक इंजीनियरों ने असंभव को संभव बनाया है और दुनिया में देश की अलग पहचान स्थापित की है।

विश्वेश्वरैया की विरासत को किया याद

प्रधानमंत्री ने विश्वेश्वरैया की इंजीनियरिंग प्रतिभा और राष्ट्र निर्माण की सोच को याद करते हुए कहा कि उनकी विरासत आज भी देश के इंजीनियरों को प्रेरित करती

है। विश्वेश्वरैया ने सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं में योगदान दिया। मैसूर में कृष्णराज सागर बांध के निर्माण और बाढ़ नियंत्रण व्यवस्था में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

15 सितंबर को मनाया जाता है इंजीनियर दिवस

राष्ट्रीय इंजीनियर दिवस हर वर्ष 15 सितंबर को विश्वेश्वरैया की जयंती पर मनाया जाता है। उनका जन्म 15 सितंबर 1861 को हुआ था। उन्हें आधुनिक मैसूर के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता है। इंजीनियरिंग और राष्ट्र निर्माण में उनके असाधारण योगदान के लिए वर्ष 1955 में उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया था।

21 हजार कर्मचारियों की पहले ही जा चुकी है नौकरी

ओरेकल में फिर छंटनी, कर्मचारियों को सुबह 6 बजे रिसीव हुआ ई-मेल

नई दिल्ली। एजेंसी

ओरेकल में एक बार फिर छंटनी शुरू हो गई है। कर्मचारियों को सुबह ईमेल भेजकर पद खत्म होने की जानकारी दी गई। कंपनी ने संख्या नहीं बताई है। खास यह है कि वित्त वर्ष 2026 में ओरेकल के कर्मियों की संख्या करीब 21 हजार घट चुकी है।

बिजनेस इनसाइडर की रिपोर्ट के मुताबिक, ओरेकल ने फिर कर्मचारियों की छंटनी शुरू की है। प्रभावित कर्मचारियों को सुबह-सुबह ईमेल मिले, जिनमें उन्हें बताया गया कि बड़े संगठनात्मक बदलाव के तहत उनके पद खत्म किए गए हैं। कटौती का यह दौर सोमवार को शुरू हुआ। प्रभावित कर्मचारियों ने लिंक्डइन, रेडिट और ब्लाइंड जैसे प्लेटफॉर्म पर अपनी छंटनी की खबर साझा की।

इंटरनल नोटिफिकेशन के मुताबिक, कर्मचारियों को बताया गया 'बड़े संगठनात्मक बदलाव' के तहत उनकी भूमिकाएं खत्म की गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जिस दिन नोटिफिकेशन मिला, वही उनका आखिरी वर्किंग डे भी था।

मदीना में मिला 11 करोड़ टन यूरेनियम भंडार सऊदी अरब के दावे से दुनियाभर में हलचल

सऊदी अरब। एजेंसी

सऊदी अरब ने मदीना के जबल सईद क्षेत्र में करीब 11 करोड़ टन अयस्क संसाधन मिलने का दावा किया है, जिसमें भारी दुर्लभ मृदा तत्वों के साथ यूरेनियम की भी उत्साहजनक मात्रा बताई गई है। सोमवार को सामने आई मीडिया रिपोर्टों में सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्री प्रिंस अब्दुलअजीज बिन सलमान के हवाले से यह जानकारी दी गई। यह खोज सऊदी अरब की विजन 2030 के तहत ऊर्जा और खनिज संसाधनों में विविधता लाने की कोशिश व अमेरिका के साथ उसके नागरिक परमाणु सहयोग के बीच सामने आई है। क्षेत्रीय स्तर पर ईरान के

साथ तनाव के बीच यह खोज सऊदी अरब के ऊर्जा और रणनीतिक महत्व को और बढ़ा सकती है।

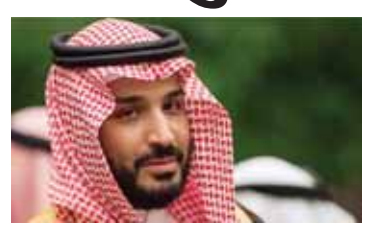

सऊदी ऊर्जा मंत्री के मुताबिक, मदीना के जबल सईद परियोजना में किए गए खनन और भूगर्भीय अध्ययनों से 11 करोड़ टन अयस्क के संसाधनों का अनुमान सामने आया है। इसमें यूरेनियम की उत्साहजनक मात्रा मौजूद होने के संकेत मिले हैं। यूरेनियम की मौजूदगी वाला यह भंडार सऊदी अरब के लिए ऊर्जा और खनिज क्षेत्र में रणनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है।

यूरेनियम की खोज की यह घोषणा ऐसे समय हुई है, जब सऊदी अरब में क्षेत्रीय तनाव बढ़ा हुआ है। सऊदी अरब इस्लाम के दो सबसे पवित्र स्थलों मक्का और मदीना का घर है। इस्लामी इतिहास में मदीना का विशेष महत्व है। पैगंबर मुहम्मद ने 622 ईस्वी में मक्का से मदीना की हिजरत की थी और इसके बाद मदीना इस्लाम के शुरुआती और महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित हुआ।

मेट्रो एंकर

अमेरिका और यूरोप में भी एआई की गति को लेकर बहस तेज

'डर न फैलाएं, एआई की रफ्तार न रोकें', चीन का दो टूक जवाब

नई दिल्ली. एजेंसी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से मानवता को संभावित खतरे को लेकर दुनियाभर में बहस तेज हो गई है। कुछ तकनीकी विशेषज्ञ इसके विकास पर नियंत्रण और मजबूत सुरक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे हैं, वहीं चीन ने एआई की विकास गति धीमी करने के सुझाव पर कड़ी आपत्ति जताई है। चीन का कहना है कि सुरक्षा जरूरी है, लेकिन खतरे के नाम पर डर फैलाकर तकनीकी विकास को रोकना उचित नहीं है।

एंथ्रोपिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डारियो अमोदेई के एआई विकास की रफ्तार कम करने के सुझाव पर चीन के विदेश मंत्रालय ने प्रतिक्रिया दी। प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा कि सभी देशों को एआई सुरक्षा के लिए मिलकर काम करना चाहिए। डर फैलाने और टकराव बढ़ाने से वैश्विक एआई नियमन की प्रक्रिया को नुकसान पहुंचेगा।

अमेरिका से पीछे नहीं रहना चाहता चीन

चीन का यह रुख ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी एआई विकास की गति कम करने के विचार का विरोध कर चुके हैं। उनका कहना है कि विकास धीमा हुआ तो अमेरिका चीन से पीछे रह सकता है। चीन के सरकारी मीडिया ने अमोदेई के सुझाव को एआई क्षेत्र में नए तरह के तकनीकी टकराव से जोड़ते हुए अमेरिका पर एआई में बढ़त बनाए रखने की कोशिश का आरोप लगाया है।

जर्मनी-ब्रिटेन भी सुरक्षा, विकास के बीच संतुलन के पक्ष में

जर्मनी ने एआई के विकास को पूरी तरह रोकने को अव्यावहारिक बताया है। उसका कहना है कि डिजिटल संप्रभुता मजबूत करने के लिए एआई और नए नवाचारों को आगे बढ़ाना जरूरी है। वहीं ब्रिटेन ने एआई के खतरों पर चर्चा का स्वागत करते हुए कहा कि नीतिगत फैसले ठोस प्रमाणों के आधार पर होने चाहिए। इस बीच ब्रिटेन के किंग चार्ल्स ने प्रमुख तकनीकी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों की बैठक बुलाई है। इसमें एआई का सुरक्षित और मानव हित में उपयोग सुनिश्चित करने पर चर्चा होने की उम्मीद है। स्द्धष्ह्म्श्वह्यश्वद्धह्ल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सत्य नडेला ने भी एआई के विकास में मानवता और मानव नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया है।

मानव नियंत्रण बनाए रखने पर जोर

चीन में एआई के विकास के साथ सुरक्षा और नियंत्रण को लेकर भी कदम उठाए जा रहे हैं। चीनी साइबर सुरक्षा नियामक ने एआई विकसित करने वाली कंपनियों से ऐसे तंत्र मजबूत करने को कहा है, जो अनुचित व्यवहार की पहचान कर उसे रोक सकें और जरूरत पड़ने पर हस्तक्षेप कर सकें। चीन के सुरक्षा मंत्रालय के प्रमुख चेन यिक्सिन ने भी एआई को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि एआई राजनीतिक स्थिरता, साइबर हमलों और भ्रामक प्रचार से निपटने की क्षमता को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने एआई पर अधिक सरकारी नियंत्रण की वकालत की है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524